दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
शनिवार, 28 जून 2025
वर्ष: 12 अंक : 196 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

खाने के अलावा कई कामों के लिए ...8

एक देश आतंकवाद का जिक्र नहीं चाहता था...

जयशंकर ने राजनाथ के एससीओ में उठाए कदम का किया समर्थन

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने का समर्थन किया। इस कदम के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए जयशंकर ने कहा कि एससीओ का एक सदस्य देश संयुक्त बयान में आतंकवाद का कोई उल्लेख नहीं करना चाहता था, जबकि संगठन का गठन आतंकवाद से लड़ने के उद्देश्य से किया गया था। समाचार एजेंसी एएनआई ने जयशंकर के हवाले से कहा कि जब संगठन का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद से लड़ना है और आप इसका उल्लेख करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं, तो उन्होंने (राजनाथ सिंह) इसे स्वीकार करने में अनिच्छा व्यक्त की।

जयशंकर ने हालांकि उस देश का नाम नहीं बताया जो परिणाम वक्तव्य में आतंकवाद का उल्लेख नहीं चाहता था, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा, आप अनुमान लगा सकते हैं कि कौन सा देश है। भारत के अलावा, एससीओ के सदस्य देश कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस हैं। भारत 2017 में एससीओ का सदस्य बना और 2023 में रोटेशनल चेयरमैन का पद ग्रहण किया।

जयशंकर ने कहा, एससीओ सर्वसम्मति से चलता है। इसलिए राजनाथ जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर बयान में आतंकवाद का उल्लेख नहीं है, तो हम इस पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। चीन के किंगदाओ की यात्रा पर गए राजनाथ सिंह ने गुरुवार को संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था, क्योंकि उन्होंने आतंकवाद संबंधी चिंताओं विशेष रूप से 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे, के समाधान में विफलता का हवाला दिया था। संयुक्त वक्तव्य में पहलगाम हमले का उल्लेख तो नहीं किया गया, लेकिन इसमें 11 मार्च को बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी द्वारा पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस अपहरण का उल्लेख किया गया। राजनाथ सिंह के इस कदम से एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में संयुक्त विज्ञप्ति जारी नहीं हो सकी।

आरजी कर कांड के बाद अब लॉ कॉलेज में दरिंदगी, कॉलेज की छात्रा से गैंगरेप, तीन आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के कस्बा में एक लॉ कॉलेज के अंदर एक छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के सिलसिले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। कस्बा पुलिस स्टेशन ने घटना के संबंध में एक शिकायत के बाद प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की और गिरफ्तारियाँ कीं, जो कथित तौर पर 25 जून को शाम 7.30 बजे से 10.50 बजे के बीच दक्षिण कलकत्ता लॉ कॉलेज के परिसर में हुई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नामजद आरोपियों में एक पूर्व छात्र और स्टाफ सदस्य के साथ-साथ कॉलेज के नामांकित छात्र भी शामिल हैं। शिकायत मिलने के बाद, पुलिस ने पीड़िता की प्रारंभिक चिकित्सा जांच की, गवाहों के बयान दर्ज किए और घटनास्थल का दौरा किया। कथित घटना के स्थान के रूप में पहचाने गए कॉलेज परिसर को फोरेंसिक जांच के लिए सुरक्षित कर लिया गया है। कोलकाता में तलबगान क्रॉसिंग के पास सिद्धार्थ शंकर शिशु रॉय उद्यान के सामने से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि तीसरे को उसके घर से हिरासत में लिया गया। जांच के तहत तीनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आरोपी हिरासत में हैं और उन्हें आज अलीपुर कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां जांचकर्ता मामले की आगे की जांच के लिए उन्हें पुलिस हिरासत में भेजने की मांग करेंगे।

विमान में बम की अफवाह से दिल्ली एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप, क्रू मेंबर को मिला धमकी भरा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर बम की धमकी से अफरातफरी मच गई। हालांकि, जांच के बाद अधिकारियों ने बताया कि यह झूठी खबर थी। बताया गया कि स्टाफ के एक कर्मचारी को सुबह करीब 4:42 बजे दिल्ली के टर्मिनल-3 पर एक विमान में बम की धमकी वाला एक कागज मिला। इसके बाद आनन-फानन में तलाशी ली गई, जिसके बाद दिल्ली अग्निशमन सेवा ने इसे झूठी खबर बताया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, गुरुवार सुबह 4:42 बजे एक कॉल प्राप्त हुई थी, और उसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया। अभी इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच में नहीं ली जाएगी संयुक्त राष्ट्र की मदद, भारत ने ठुकराया प्रस्ताव

नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान हादसे की जांच में सहयोग करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा जांचकर्ता को शामिल किए जाने की मांग को भारत ने ठुकरा दिया है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत इसकी अनुमति नहीं देगा। कुछ सुरक्षा विशेषज्ञों ने ब्लैक बॉक्स डेटा के विश्लेषण में देरी के लिए इसकी आलोचना की थी।

यूएन की पेशकश को भारत ने ठुकराया, बता दें, 12 जून बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर दुर्घटना में 260 लोगों की मौत की घटना के बाद संयुक्त राष्ट्र विमानन एजेंसी ने जांच में सहायता प्रदान करने के लिए भारत को अपने एक जांचकर्ता की पेशकश की थी। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (घ.ए) ने कुछ जांच में मदद करने के लिए जांचकर्ताओं को तैनात किया था, जैसे कि 2014 में मलेशियाई विमान के लापता होने की जांच और फिर 2020 में एक यूक्रेनी जेटलाइनर की जांच। हालांकि, दोनों ही बार एजेंसी से सहायता मांगी गई थी। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि घ.ए ने भारत में मौजूद जांचकर्ता को पर्यवेक्षक का दर्जा देने के लिए कहा था, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। यह खबर सबसे पहले टाइम्स नाउ ने दी थी।

ब्लैक बॉक्स से डाउनलोड हुआ डेटा

भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। भारत के नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि जांचकर्ताओं ने दुर्घटनाओं के लगभग दो सप्ताह बाद फ्लाइट रिकॉर्डर डेटा डाउनलोड कर लिया है। इससे पहले, सुरक्षा विशेषज्ञों ने जांच के बारे में जानकारी की कमी पर सवाल भी उठाए थे जिसमें 13 जून को मिले संयुक्त ब्लैक बॉक्स की स्थिति और 16 जून को मिले दूसरे सेट की स्थिति शामिल थी।

कब तक प्राप्त होगी रिपोर्ट?

इस बात पर भी सवाल उठाए गए थे कि क्या रिकॉर्डर भारत में पढ़े जाएंगे या अमेरिका में? इस सप्ताह की शुरुआत में भारतीय विमानन मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि विभाग घ.ए के सभी प्रोटोकॉल का पालन कर रहा है। बता दें अधिकांश हवाई दुर्घटनाएं कई कारणों से होती है और प्रारंभिक रिपोर्ट दुर्घटना के लगभग 30 दिनों के बाद प्राप्त होता है।

जगन रेड्डी को अदालत से राहत

काफिले की चपेट में आकर समर्थक की हुई थी मौत

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को गुंटूर में पार्टी प्रमुख की रैली के दौरान एक वाईएसआरसीपी समर्थक की मौत के मामले में अंतरिम राहत प्रदान की। पूर्व मुख्यमंत्री को राहत प्रदान करते हुए न्यायालय ने कहा कि सभी सावधानियों के बावजूद, कुंभ मेले में भी दुर्घटनाएं होती रहीं। 18 जून को रैली के दौरान पलनाडु जिले के सत्तनापल्ले में जगन रेड्डी के काफिले में शामिल एक वाहन ने 63 वर्षीय सी सिंगय्या को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा कार की पहचान जगन रेड्डी की कार के रूप में किए जाने के बाद, उनकी कार को जब्त कर लिया गया और वाईएसआरसीपी प्रमुख तथा पार्टी के अन्य सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। जगन रेड्डी ने एफआईआर को नायडू सरकार की ध्यान भटकाने की रणनीति भी कहा कि उसी दिन दर्ज की गई एफआईआर में गैर इरादतन हत्या और लापरवाही से मौत का आरोप लगाया गया था। इस कदम से जगन रेड्डी और उनकी पार्टी की ओर से तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया आई और उन्होंने आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर सवाल उठाए और जेड सुरक्षा प्रोटोकॉल में चूक का दावा किया।

बिहार चुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने कर दिया अपने प्लान का ऐलान, गदगद हो जाएंगे तेजस्वी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को मजबूत करने में मदद करेगी। अखिलेश यादव ने सपा मुख्यालय में छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती मनाने के बाद मीडियाकर्मियों से कहा कि हम तेजस्वी यादव को मजबूत करने में मदद करेंगे और राजद नेता लालू प्रसाद यादव के साथ खड़े नजर आएंगे। यादव ने कहा कि उनकी पार्टी ने छत्रपति शाहूजी महाराज, डॉ. भीमराव अंबेडकर, राम मनोहर लोहिया और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया है। अखिलेश यादव ने पुष्टि की कि उन्होंने लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव, जिन्हें आरजेडी और परिवार से निकाल दिया गया है, से वीडियो कॉल के जरिए बात की, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह इतना महत्वपूर्ण हो जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि तेज प्रताप यादव ने उन्हें दो बार कॉल किया था और उन्होंने (अखिलेश) वीडियो कॉल के जरिए ही जवाब दिया। वीडियो कॉल के दौरान अखिलेश यादव ने तेज प्रताप यादव से पूछा कि वह कहां से चुनाव लड़ना चाहते हैं। अखिलेश यादव ने कहा, यहीं तो राजनेता एक-दूसरे से पूछते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में तेज प्रताप यादव अखिलेश यादव से कहते हुए नजर आ रहे हैं कि वह लखनऊ में सपा प्रमुख से मुलाकात के बाद इस बारे में फैसला लेंगे।

पंजाब के तरनतारन से आप विधायक कश्मीर सिंह का निधन, केजरीवाल, मान ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पंजाब के तरनतारन से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक डॉ. कश्मीर सिंह सोहल का अप्रत्याशित निधन हो गया। लंबी बीमारी से जूझने के बाद उन्हें देर रात अमृतसर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से पार्टी नेताओं, समर्थकों और स्थानीय समुदाय में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री ने गहरी संवेदना व्यक्त की। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने डॉ. सोहल के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक मेहनती और जमीन से जुड़ा नेता बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी संवेदनाएं साझा करते हुए मान ने लिखा, हमसे तरनतारन से हमारी पार्टी के विधायक डॉ. कश्मीर सिंह सोहल के आकस्मिक निधन की दुखद खबर मिली है। यह बेहद दुखद है। डॉ. साहब एक समर्पित और प्रतिबद्ध नेता थे। उन्होंने आगे कहा कि इस दुख की घड़ी में, हमारी हार्दिक संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और इस कठिन समय में परिवार और प्रियजनों को शक्ति और साहस प्रदान करें। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता अरविंद केजरीवाल ने भी एक्स पर दुख जताते हुए कहा, डॉ. कश्मीर सिंह सोहल जी के निधन की खबर बेहद दुखद है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करें।

बवाना में फैक्ट्री में लगी भीषण आग, मौके पर दमकल की 22 गाड़ियां, धुएं का गुबार देख मची अफरातफरी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के बाहरी उत्तरी इलाके बवाना के सेक्टर 4 स्थित एक फैक्ट्री में शुक्रवार तड़के भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग ने तत्परता दिखाते हुए 22 फायर टेंडर मौके पर भेजे। करीब 110 दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे रहे। जानकारी के मुताबिक अभी भी आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया गया है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग की सूचना सुबह 4:15 बजे कंट्रोल रूम को मिली थी, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई की गई। हालांकि आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है, लेकिन पूरी तरह बुझाने में अभी समय लग सकता है। गनीमत रही कि इस हादसे में अब तक किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है। आग के कारण आसमान में काले धुएं का गुबार फैल गया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दमकल विभाग की एक विशेष टीम मामले की जांच में जुट गई है। दिल्ली में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी के चलते आग लगने की घटनाओं में इजाफा देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक गर्मी और लापरवाही की वजह से ऐसे हादसे बार-बार सामने आ रहे हैं।

अमृतसर से बब्बर खालसा के 3 मेंबर गिरफ्तार, 2 हैंड ग्रेनेड-ग्लॉक पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस द्वारा समर्थित एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल के रूप में पहचाने जाने वाले इस समूह ने कथित तौर पर अमृतसर और उसके आसपास के इलाकों में पुलिस प्रतिष्ठानों पर लक्षित हत्याओं और हमलों की योजना बनाई थी। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने पुष्टि की कि इस साजिश के सिलसिले में एक नाबालिग सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया है, जिससे अनगिनत निर्दोष लोगों की जान बच गई है। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एक खुफिया-आधारित ऑपरेशन में, राज्य विशेष ऑपरेशन सेल, मोहाली ने पाकिस्तान आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी मॉड्यूल का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है जिसे यूके स्थित निशान सिंह और पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर रिंदा द्वारा संचालित किया जा रहा था। एक किशोर सहित तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है।

डीजीपी ने क्या कहा?

एसएसओसी मोहाली, पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। डीजीपी ने कहा कि जांच जारी है और और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब पुलिस आतंकी नेटवर्क को खत्म करने, संगठित अपराध को खत्म करने और पूरे राज्य में शांति, सुरक्षा और सद्भाव की रक्षा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम नागरिकों से सतर्क रहने और सुरक्षित पंजाब के लिए इस साझा मिशन में पंजाब पुलिस का समर्थन जारी रखने का आग्रह करते हैं।

चुनाव से 2 महीने पहले ऐसा क्यों?

वोटर लिस्ट सत्यापन को लेकर बोले तेजस्वी बोले, नीतीश और मोदी डरे हुए हैं

पटना। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्देश जारी किए हैं। इसका मतलब है कि बिहार के लिए मतदाता सूची नए सिरे से तैयार की जाएगी। अब इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े किए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की घोषणा की है। इसका मतलब है कि 8 करोड़ बिहारियों की मतदाता सूची को दरकिनार कर दिया गया है और एक नई सूची बनाई जाएगी। तेजस्वी ने सवाल किया कि चुनाव से 2 महीने पहले ऐसा क्यों किया जा रहा है? क्या 25 दिनों के भीतर आठ करोड़ लोगों की मतदाता सूची बनाना संभव है? मांगे गए दस्तावेज ऐसे हैं जो गरीबों के पास शायद ही हों। हमारा प्रतिनिधि मंडल इस मामले को लेकर चुनाव आयोग से संपर्क करेगा। सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी डरे हुए हैं। वे चाहते हैं कि गरीबों का नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाए। वे समाज के गरीब तबके से वोट देने का अधिकार छीनना चाहते हैं। कांग्रेस ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे राज्य मशीनरी का इस्तेमाल करके मतदाताओं को जानबूझकर बाहर करने का जोखिम है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। आपको बता दें कि सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र प्रस्तुत करना होगा, तथा 2003 के बाद पंजीकृत मतदाताओं को आयोग द्वारा निर्दिष्ट दिशा-निर्देशों और अनुसूची के अनुसार अपनी नागरिकता सिद्ध करने वाले दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकाली गई जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। उड़ीसा के जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर वर्षों से परंपरागत तरीके से निकाली जा रही भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुक्रवार को धूमधाम से निकाली गई। रथयात्रा में क्षेत्र के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। रथयात्रा में भीड़ को देखते हुए पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए। जगह-जगह रथ यात्रा का स्वागत किया गया इस दौरान पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। लोटन कस्बे के दक्षिण में स्थित घोघी नदी के तट पर भगवान जगन्नाथ स्वामी का ऐतिहासिक मंदिर वर्षों पूर्व से स्थापित है। उड़ीसा में स्थित भगवान जगन्नाथ धाम की तर्ज पर यहां पर भी हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया को शोभायात्रा निकाली जाती है। इस वर्ष भी शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भगवान जगन्नाथ स्वामी रथ यात्रा निकाली गई। मंदिर में उड़ीसा

के जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर चंदन की लकड़ी की बनी भगवान जगन्नाथ, बलदाऊ व सुभद्रा की प्रतिमा स्थापित है। मंदिर से निकाली गई रथ यात्रा को सदर विधायक श्यामधनी राही, पूर्व सदर विधायक अनिल कुमार सिंह,ब्लाक प्रमुख आशीष सिंह, बबलू पाण्डेय, अजय सिंह,ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार मोदनवाल, तेज प्रताप सिंह, गुड्डू सिंह, आदि ने रथ को हाथ लगा कर रवाना किया। मंदिर से निकली रथयात्रा कोतवाली हुए होते हुए कस्बे में आई औरपूरे कस्बे का भ्रमण कर वापस होकर मंदिरकी ओर चली गई। मंत्रोचार के बाद मूर्ति को उसी स्थान पर स्थापित कर दिया गया। मंदिर के महंत गंगाप्रसाद के मुताबिक उड़ीसा के बाद लोटन भारत का दूसरा स्थान है,जहां भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा उसी तर्ज पर उसी तिथि को निकाली जाती है। तीनों मुर्तियां चंदन की काष्ठ की बनी हुई है। रथयात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज मयफोर्स के साथ डटे रहे। रथ यात्रा को सम्पन्न कराने के लिए टीयर गैस, फायर ब्रिगेड क्यूआरटी सहित पुरे सर्किल की फोर्स बुलाई गई थी। कस्बा पूरा दिन पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था इस अवसर पर सत्य प्रकाश राही, आशीष सिंह, मदन मोदनवाल, अखिलेश सिंह भोला सरदार, रिंकू पाल, राहुल गुप्ता, विनय कुमार सिंह, विनय सिंह, दूगनरायन सिंह भा.ज.पा.मंडल अध्यक्ष, कृष्ण दत्त त्रिपाठी, दिनेश कुमार पाण्डेय, हरि लाल कन्नौजिया, प्रेमचंद मोदनवाल, विश्व नाथ सहानी सहित सैकड़ो नागरिक रथ के साथ साथ जयकारा लगाते चलते रहे रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा बनाए रखने के लिए नागरिक पुलिस, एल. आई. यू एवं अन्य सुरक्षा एजेन्सियों की मानीटरिंग पुलिस उपाधीक्षक मयंक द्विवेदी एवं प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सरोज स्वयं कर रहे थे। सब मिलाकर व्यवस्था ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार मोदनवाल के द्वारा चाक चौबन्द रही।

तत्कालीन जिलाधिकारी ने किया था रथयात्रा का शुभारंभ

लोटन कस्बे में रथ यात्रा की शुरुआत वर्ष 2002 में जिले के तत्कालीन जिलाधिकारी एन.एन. पाण्डेय ने की थी। वह महीने मे एक दिन प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मंदिर पर बैठक भी करते थे। उसी समय से यह रथयात्रा हर वर्ष निकाली जाती हैं।

प्रधान होता है आयोजक

रथयात्रा की शुरुआत के बाद से प्रधान ही कार्यक्रम का आयोजक होता है। 23 साल से शुरू हुई रथयात्रा कार्यक्रम प्रधान की देख रेख में चलता आ रहा है। इस वर्ष ग्राम प्रधान प्रदीप मोदनवाल ने रथयात्रा की भव्यता बढ़ा दी थी।

उ0प्र0 प्राशिसं सिद्धार्थनगर की प्रतिनिधि मण्डल ने विद्यालयों के विलय का विरोध विधायक को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ स्थित आवास एवं कैम्प कार्यालय (वार्ड संख्या-3, संत रविदास नगर,

टीचर कॉलोनी, गढ़ाकुल) में आयोजित जनता दर्शन एवं जनसेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत बुधवार को विधायक विनय वर्मा ने क्षेत्रवासियों से भेंटकर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और अवगत कराया। वहीं समस्याओं के समाधान के लिए आये लोगों से विधायक ने सम्बन्धित अधिकारियों से त्वरित संवाद स्थापित कर जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसी क्रम में आवास एवं कैम्प कार्यालय पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सिद्धार्थनगर देवेन्द्र यादव, महामंत्री विजयेन्द्र कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष मिर्जा महबूब के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने विधायक विनय वर्मा से भेंट-मुलाकात की। उन्होंने अपनी समस्याओं के सम्बन्ध में प्रदेश सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों के विलय के विरोध में विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा द्वारा मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। प्रशिसं के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में शिक्षकों ने कहा कि 50 से कम संख्या वाले विद्यालयों का मर्जर गलत है। इससे ग्रामीण परिवेश में रहने वाले बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ज्ञापन में शिक्षकों ने आरोप लगाया कि यह आदेश, प्रदेश में शिक्षकों के पदों को समाप्त किये जाने की मंशा को दर्शाता है। वहीं विधायक ने कहा कि इस विषय को गम्भीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री जी से बात करूंगा। विधायक द्वारा आयोजित जनता दर्शन एवं जनसेवा कार्यक्रम में कहा कि प्रभु की प्रेरणा और जनता के विश्वास से ही हम हर समस्या का समाधान करेंगे। हमारा उद्देश्य और संकल्प दोनों अटल हैं। हर व्यक्ति को न्याय मिले, हर समस्या का समयबद्ध समाधान हो और हर नागरिक को पूरा सम्मान हो। इस दौरान कस्बा शोहरतगढ़ व बढ़नी सहित तमाम लोग व देवेन्द्र यादव, दिवाकर मित्र, गणेश मिश्र, रवि यादव, हरि नारायण शुक्ला, आलोक कुमार शुक्ला, अजय गौड़, हरिओम, वीरेन्द्र मौर्या सहित शिक्षक टीम मौजूद रहें।

ग्राम पंचायत महदेवा नानकार व दहियाव में सचिवों ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत महदेवा नानकार एवं दहियाव के पंचायत भवन में गांव

की समस्या गांव में समाधान करने हेतु शुक्रवार को चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महादेवा नानकर में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव कामेश्वर मिश्र ने की, तो वहीं दहियाव में कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव गौरव श्रीवास्तव ने किया। महादेवा नानकर एवं दहियाव गांव में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सचिवों ने केन्द्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। चौपाल कार्यक्रम में सचिवों ने मुख्य रूप से राशनकार्ड, फैमिली आईडी, वृद्धावस्था, विधवा पेंशन व दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास योजना, मनरेगा योजना, किसान सम्मान निधि, व्यक्तिगत शौचालय, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना योजना, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना आदि योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। साथ ही शासन द्वारा चलायी जा रही गरीब कल्याण व अन्य लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए सचिवों ने ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। चौपाल में उपस्थित लोगों ने सड़क, नाली जैसी अनेक समस्याओं के बारे में बताया। इस दौरान महादेवा नानकर में ग्राम प्रधान राम मिलन चौधरी, सचिव कामेश्वर मिश्र, रोजगार सेवक गिरजेश चौधरी, पंचायत सहायक दीपक शर्मा सहित गांववासी मौजूद रहे। वहीं दहियाव चौपाल कार्यक्रम में ग्राम प्रधान दहियाव, प्रधान प्रतिनिधि पिन्टू पटेल, सचिव गौरव श्रीवास्तव सहित ग्रामीण मौजूद रहें।

बरसात के मौसम में आंखों की देखभाल और रोकथाम है जरूरी – डॉ0 अमित शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बरसात का मौसम जहां प्रकृति को तरोताजा करता है, तो वहीं बरसात हमारे स्वास्थ्य के लिए भी चुनौतियां लेकर आता है, खासकर हमारी आंखों के लिए। बारिश के मौसम में नमी की अधिकता, धूल-मिट्टी, गन्दगी और बैक्टीरिया की बढ़ती संख्या के कारण आंखों में जलन, खुजली, लालिमा और संक्रमण जैसी समस्याएं आम हो जाती है। इसलिए इस मौसम में आंखों की उचित देखभाल और रोकथाम आवश्यक हो जाती है। उक्त बातें तहसील शोहरतगढ़ के परसा स्थित सीपीएन आई केयर सेन्टर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ0 अमित शर्मा ने कहीं। डॉ0 शर्मा ने बताया कि सबसे पहले ध्यान देने वाली बात है कि हाथों की स्वच्छता। गन्दे हाथों से आंखों को छूना संक्रमण का सबसे बड़ा कारण होता है। इसलिए बार-बार हाथ धोना और आंखों को बिना धोए छूने से बचना चाहिए। बारिश में बाहर आने के बाद आंखों को साफ, ताजे पानी से धोना भी बहुत जरूरी है, ताकि किसी भी प्रकार की गन्दगी या संक्रमण को हटाया जा सके। बरसात में अधिकतर लोग घर के अन्दर समय बिताते हैं

और मोबाइल, टीवी या कम्प्युटर की स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताते हैं। लगातार स्क्रीन देखने से आंखों में थकान, जलन और सूखापन हो सकता है। इस समस्या से बचने के लिए हर 20 मिनट में 20 सेकण्ड के लिए किसी दूर की चीज को देखना चाहिए, जिसे '20-20-20 नियम' कहा जाता है। इसके अलावा स्क्रीन पर ब्लु लाइट फिल्टर का इस्तेमाल भी आंखों की सुरक्षा करता है। आंखों की नमी बनाये रखने के लिए दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। सूखी आंखें बरसात के मौसम में कई बार जलन और बेचैनी के कारण बनती हैं। इसलिए आंखों की नमी बनाये रखने के लिए जलयोजन बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही अच्छी नींद लेना भी आंखों की स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। अगर आंखों में लगातार जलन, लालिमा, पानी आना या धुंधलापन महसूस हो तो तुरन्त नेत्र विशेषज्ञ से सम्पर्क करें। बरसात के मौसम में घरेलू उपचार करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे समस्या और बढ़ सकती है। इसके अलावा, बारिश में बाहर निकलते समय धूप के चश्मे का उपयोग करना चाहिए ताकि आंखें धूल, कीटाणुओं और प्रदूषण से सुरक्षित रहें। बरसात के मौसम में अपनी आंखों की सही देखभाल करके हम न केवल संक्रमण से बच सकते हैं, बल्कि अपनी दृष्टि को भी स्वस्थ और स्पष्ट बनाये रख सकते हैं। इसलिए आंखों की देखभाल को नजरअंदाज न करें और समय-समय पर आंखों की जांच करवाते रहें।

अन्तर्राष्ट्रीय दिवस मादक पदार्थों के दुरुपयोग व अवैध तस्करी के खिलाफ 03 माह अभियान चलाने को लेकर हुआ समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/नेपाल। पड़ोसी देश नेपाल जिला कपिलवस्तु अन्तर्गत यशोधरा ग्रामीण नगर पालिका मर्यादपुर में आयोजित

अन्तर्राष्ट्रीय दिवस पर मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के अवसर पर 03 माह अभियान चलाने को लेकर विशेष कार्यक्रम का जन जागरूकता अभियान का समापन हुआ। अन्तर्राष्ट्रीय दिवस पर जिला प्रशासन कार्यालय कपिलवस्तु ने आयोजित जिला पुलिस कार्यालय कपिलवस्तु यशोधरा ग्रामीण नगर पालिका, सुरक्षा एजेंसियों, शिक्षा क्षेत्र स्थानीय स्तर नागरिक समाज तथा युवाओं के सहयोग से चलाये गये इस अभियान का उद्देश्य लोगों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग तथा अवैध तस्करी के बारे में जन जागरूकता फैलाया। उन्होंने यह भी कहा कि उक्त जन जागरूकता कार्यक्रम जारी रहना चाहिए। कार्यक्रम में 03 महीने के अभियान के तहत की गई गतिविधियों पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें स्कूल स्तर पर जागरूकता कक्षाएं, नुक्कड़ नाटक, रैलियां, बैनर प्रदर्शन और बातचीत कार्यक्रम शामिल थे। कार्यक्रम में स्कूली छात्रों, शिक्षकों, युवा समूह के प्रतिनिधियों और सुरक्षाकर्मियों की उल्लेखनीय उपस्थिति देखी गई। कार्यक्रम के दौरान नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ सन्देश देने वाले नृत्य, गीत और नाटक भी प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम का समापन अभियान में सक्रिय योगदान देने वालों को प्रशंसा पत्र प्रदान करने के साथ हुआ। आयोजकों का मानना यहै कि इस कार्यक्रम से समुदाय में नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ेगी तथा भविष्य में इस तरह के प्रयासों को और मजबूत करने की प्रेरणा मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी के आवाहन पर बूथ के कार्यकर्ता लगायेगे एक पेड़ माँ के नाम - शिवशक्ति

आगामी कार्यक्रम को सफल बनाने के सभी शक्ति केंद्र स्तर पर बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़। शोहरतगढ़ मण्डल में पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर सभी शक्ति केंद्र पर आगामी

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए योजना बैठक सम्पन्न हुई। इस दौरान मकरौढ़ शक्ति केंद्र एवं झल्ला शक्ति केंद्र की सामूहिक बैठक नगर पंचायत के सेवढा में भाजपा नेता लवकुश चौधरी के आवास पर सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा के द्वारा किया गया। इस दौरान शिवशक्ति शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के निर्देश पर यह बैठक आगामी होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए की गई है। आज प्रत्येक शक्ति केंद्र पर एक साथ बैठक होनी है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आने रविवार को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा मन की बात कार्यक्रम को प्रत्येक बूथों पर सुनकर उसे सरल ऐप लोड कराना है, एवं एक पेड़ माँ के नाम प्रत्येक बूथ पर दस कार्यकर्ता एक - एक पेड़ लगायेंगे तथा छः जुलाई को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी जन्मदिवस पर उनके चित्र के समक्ष प्रत्येक बूथों पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी। और उनके विचारों को जनजन को बताया जायेगा। इसी क्रम में कोटिया शक्ति केंद्र की बैठक जोगकुंआ ग्राम पंचायत में सम्पन्न हुई। इस बैठक के संयोजक राम प्रताप चौधरी रहें। इस बैठक की अध्यक्षता मण्डल महामंत्री रामविनोद यादव ने किया। इसी तरह शक्ति केंद्र पल्टादेवी में संयोजक सुधाकर गिरी जी की अध्यक्षता में एवं शोहरतगढ़ में नन्दू गौड़ की अध्यक्षता में इसी तरह चौढ़ार शक्ति केंद्र में मण्डल महामंत्री अभिषेक चौधरी एवं मुख्य अतिथि कृष्णपाल चौधरी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। इस दौरान मुख्य रूप से जितेंद्र गोस्वामी, अश्विनी यादव, राजमन यादव, कैलाश नाथ मिश्रा, संजीत गिरी, मुकेश दुबे, अर्जुन चौरसिया, रामकुमार पटेल, दुर्गेश शर्मा चंद्रकेश यादव, रामविलास यादव, दिलीप यादव,विवेक चौधरी, टेकई पासवान,राकेश चौधरी, राकेश यादव रामफूल चौरसिया अमित चौधरी आदि भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

विधायक ने पड़रिया व परसा के बगीचे में ताजे आमों का लिया स्वाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। विधानसभा शोहरतगढ़ अन्तर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया एवं परसा में बुधवार को विधायक विनय वर्मा ने ग्राम पंचायत परसा के पूर्व प्रधान नरेन्द्र बहादुर सिंह के बगीचे में

ताजे आमों का स्वाद लिया गया। वहीं विधायक ने क्षेत्र के लोगों के साथ बगीचे में बैठकर ताजे-ताजे आमों का मजा लिया और कहा कि क्षेत्र व इष्ट मित्रों लोगों के साथ आम खाने का बहुत आनन्द आया एवं पेड़ से भी आमों को तोड़कर खाया भी गया। ताजे-ताजे आमों को खाने के कार्यक्रम में विधायक विनय वर्मा के साथ भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के नेता प्रदीप कमलापुरी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि परसा विवेक सिंह, एडवोकेट विशाल प्रताप सिंह, राजेन्द्र यादव, आशीष सिंह, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सिसवा शिवनारी अनूप सिंह, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि चंदवा सक्षय यादव, दारा सिंह, शंकर यादव, रामदेव वर्मा, हरि यादव, उजागिर वर्मा, राकेश गौड़, धर्मेन्द्र यादव, मयंक शुक्ला, रत्नेश सोनी, रामदास मौर्य, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष हरिराम निषाद, तिवारी जी, विष्णु सिंह, विजय कुमार गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हर गुरुवार को लगने वाले मेले पर प्रशासन ने रोक लगा दी है

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के ग्राम चौखड़ा के पास बदलिया चौराहे के सन्निकट स्थित फागु बाबा की समाधि पर हर गुरुवार को लगने वाले मेले पर प्रशासन ने रोक लगा दी है। पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को सुबह सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करने की बात कही थी। लेकिन प्रशासन द्वारा हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। वहीं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासन के लोगों स्थिति को गंभीरता से लेते हुए बहुत ही सूझबूझ से काम लिया। मिली जानकारी जानकारी के अनुसार हर गुरुवार को फागू बाबा के समाधि स्थल पर मेले की तरह काफी भीड़ होती है जिसमें ज्यादातर महिलाएं होती हैं। गुरुवार को भोर से ही समाधि के पास महिलाएं आईं तो पुलिस ने कहा, अनुमाना (हाथ पैर पटकना और जोर से जोर से सिर हिलाना, जिस सिर पर भूत का आभास होता है) शुरु कर दिया जाता है। उक्त के सम्बन्ध में पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि यह फागू प्रसाद बाबाजी के समाधि स्थल है जिनके दर्शन न होने के कुछ मौलवियों ने कथित मजार को रूपान्तरित कर धनादोहन करने का काम किया था, उनके द्वारा जादू-टोना, झाड़-फूंक, झाड़-खंखाड़ करने का काम किया गया था, हर गुरुवार को सैकड़ों हजारों की संख्या में लोग यहाँ आते हैं और सुनने में आ रहा है कि ये महिलाओं को एक साथ कर दुआ, ताबीज, भभूत व चमत्कार के नाम पर धार्मिक अन्याय हो रहा है इस पर प्रतिबंध लगाया जाय।

उर्वरक (खाद) की 12 दुकानों की हुई जांच, 06 का लाइसेंस निरस्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक (खाद) उपलब्ध कराने को लेकर कृषि विभाग ने छापेमारी शुरु कर दी है। गुरुवार को जिला कृषि अधिकारी मोहम्मद मुजम्मिल ने विभिन्न चौराहों पर स्थित खाद की दुकानों पर छापेमारी किया। निरीक्षण में कुल 12 दुकानों के दौरान 06 दुकानदारों द्वारा बार-बार अनियमित तरीके से एक ही कृषक को खाद देने के कारण लाइसेंस निरस्त कर दिया गया। दुकानदारों को चेतावनी दिया कि उर्वरक की कालाबाजारी करने वालों के सम्बन्ध में शिकायत मिलने पर सम्बन्धित के खिलाफ कार्यवाई की जायेगी। जिला कृषि अधिकारी ने ओम इन्टरप्राइजेज, बजरंगी खाद भण्डार गणेशपुर, शाह फर्टिलाइजर बभनी, चौधरी खाद भण्डार चोढ़ार, एग्री जंक्शन व स्टाप चोढ़ार, अंशिका फर्टिलाइजर चोढ़ार, गुप्ता फर्टिलाइजर ढोढ़िया चौराहा, राजकुमार जितेन्द्र कुमार छतहरा, आईएफएफडीसी केन्द्र महथा बाजार, आरके ब्रदर्श मधुबेनिया चौराहा, आईएफएफडीसी केन्द्र चौनपुर, अंतन ट्रेनिंग कम्पनी पण्डितपुर का निरीक्षण किया गया। वहां पर पीओएस मशीन की उपलब्धता से मिलान, बिक्री रजिस्टर, स्टाक बुक आदि का मिलान किया गया। जांच के

दौरान ओम इन्टरप्राइजेज, बजरंगी खाद भण्डार गणेशपुर, चौधरी खाद भण्डार चोढ़ार, आईएफएफडीसी केन्द्र महथा बाजार, आरके ब्रदर्श मधुबेनिया चौराहा, आईएफएफडीसी केन्द्र चौनपुर, अंतन ट्रेनिंग कम्पनी पण्डितपुर द्वारा अनियमित तरीके से एक ही कृषक को खाद दिये जाने के कारण अनंत श्री ट्रेडिंग कम्पनी पण्डितपुर का स्टाक व वितरण रजिस्टर नहीं होने के कारण लाइसेंस निलम्बित कर दिया गया। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि दुकानदारों को निर्देश दिया गया कि मनमानी, कालाबाजारी, अधिक मूल्य लिए जाने आदि की शिकायत मिलने पर दुकानदार का लाइसेंस निरस्त करते हुए एफआईआर दर्ज कराया जायेगा।

बरैनिया के टोला टेढ़ी में पुराने खड़न्जे पर बना दी आरसीसी सड़क

दैनिक बुद्ध का संदेश

पकड़ी बाजार/सिद्धार्थनगर। यूं तो जनपद सिद्धार्थनगर के ग्राम पंचायतों में कभी मनरेगा में, तो कभी निर्माण कार्य में अनियमितता की शिकायत सुनने को मिल रहा है। जिम्मेदार विभागीय मिलीभगत से मानक को ताक पर रखकर निर्माण का भुगतान भी करा ले रहे हैं। ऐसा ही एक मामला जोगिया विकास क्षेत्र के ग्राम बरैनिया टोला टेढ़ी में आया है। ग्रामवासी तौलेश्वर, धर्मराज, ओम प्रकाश, मुन्नू चौधरी, साधु, बद्दू आदि ने कहा कि ग्राम प्रधान ने मनरेगा के अन्तर्गत गांव में शिवपूजन के घर से ओम प्रकाश के घर तक लगभग 300 मीटर आरसीसी सड़क का निर्माण कराया है। प्रधान ने सचिव की मिलीभगत से पुराने खड़न्जा पर

सीमेन्ट व सादा बालू से घोलकर सड़क बनवा दिया है। जबकि मानक के अनुसार गिट्टी व मोरंग डालने के बाद कुटाई करके आरसीसी बनना चाहिए। जिसके कारण पहली ही वर्षा में आरसीसी क्षतिग्रस्त होने लगा है। खड़न्जा पर सीमेन्ट बालू डालकर बनाया जा रहा था। तभी गांव के लोगो ने विरोध किया था। तब प्रधान ने कहा कि जो बन रहा है उसे बनने दीजिए, वरना यह भी नहीं बनेगा। ग्राम प्रधान नईम ने कहा कि जो भी कार्य कराया गया है, मानक के अनुसार है। ब्लाक जोगिया के ग्राम पंचायत बरैनिया के टोला टेढ़ी के ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से मामले की जांचकर कार्रवाई की मांग किया है। वहीं इस सम्बन्ध में बीडीओ राजकुमार ने कहा कि मामले की जानकारी नहीं है। इसकी जांच कराई जायेगी। अगर मानक के हिसाब से आरसीसी नहीं बना होगा तो सम्बन्धित के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

सचिव व ग्राम प्रधान के बीच कमीशन लेने का आडियो हुआ वायरल

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड उसका के ग्राम पंचायत उदिया के ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान के बीच कमीशन लेने का आडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। आपको बता दें कि उसका ब्लॉक में कार्यरत ग्राम विकास अधिकारी अनिल निगम व ग्राम प्रधान उदिया ओमकार गुप्ता का वायरल आडियो बताया जा रहा है। वायरल आडियो में ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी के बीच कमीशन के नाम पर जमकर बहस हुई, जिसका आडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल आडियो में ग्राम प्रधान ने कहा कि जिस फर्म पर काम हो रहा है उसको भी रुपये देना है। जिसको लेकर ग्राम प्रधान उदिया ओंमकार गुप्ता और ग्राम विकास अधिकारी अनिल निगम के बीच जब मामला नहीं सुलझा तो ग्राम प्रधान उदिया ओंमकार गुप्ता ने ग्राम प्रधान सुगही एवं ग्राम प्रधान लक्ष्मनपुर के साथ जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 को लिखित शिकायत देकर कार्यवाही की मांग की है। वहीं जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 के द्वारा कमीशन पर रोक लगाने का प्रयास किया जा रहा है, तो वही निचले स्तर के अधिकारी पर कमीशन रुक नही रहा वायरल आडियो ने पूरी पोल खोलकर रख दी है। वायरल आडियो 20 दिन पुराना बताया जा रहा है।

अपना घर वृद्धाश्रम में वहां उपस्थित किया गया आम का वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। समाज कल्याण विभाग के सहयोग से अलख वेलफेयर फाउण्डेशन द्वारा संचालित अपना घर वृद्धाश्रम में शुक्रवार को जनपद सिद्धार्थनगर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अखण्ड प्रताप सिंह अपने माता जी श्रीमती नीला सिंह एवं अपने सहयोगी राणा प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष व्यापार संगठन अजय कसौधन, प्रधान संघ पूर्व जिलाध्यक्ष/अधिवक्ता प्रकोष्ठ अनिल विश्वकर्मा के साथ अपना घर वृद्धाश्रम में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी माता-पिता जी लोगों में अपने माता जी के एवं अपने हाथों से एवं सहयोगियों के द्वारा सभी माता-पिता जी लोगों में आम

का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अखण्ड प्रताप सिंह ने कहा कि आप लोगों का आशीर्वाद से ही हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आम का वितरण हुआ है। आगे भी आप लोगों के लिए हमेशा वितरण का कार्यक्रम चलता रहेगा। उन्होंने सभी माता-पिता जी लोगों से आशीर्वाद की कामना किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत सदस्य व प्रधान संघ के अध्यक्ष राघवेन्द्र मिश्र उर्फ गंगा मिश्र ने कहा कि समाज में वितरित करके जो आनन्द मिलता है, वह अतुलनीय है। वरिष्ठ समाजसेवी राणा प्रताप सिंह के कुशल संचालन में कार्यक्रम हुआ। सभी मंचासीन अतिथियों को संचालक सिद्धार्थ गौतम ने आम भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मनोज कुमार, प्रबन्धक सिद्धार्थ कुमार एवं सभी माता-पिता जी, स्टाफ उपस्थित रहे।

डीआईजी ने ताजियादारों व डीजे संचालकों के साथ किया गोष्ठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी द्वारा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डा0 अभिषेक महाजन के साथ थाना क्षेत्र बांसी के ताजियादारों व डीजे संचालकों के साथ गोष्ठी की गयी। गोष्ठी के दौरान उपस्थित ताजियादार व डीजे संचालक को उच्च अधिकारीगण द्वारा दिये गये आदेशों-निर्देशों से अवगत कराया गया। यही आगामी त्यौहार को सकुशल, शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने में पुलिस का सहयोग करने तथा सामाजिक सौहार्द व भाईचारा बनाये रखने हेतु अपील की गयी। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद, क्षेत्राधिकारी बांसी पवीन प्रकाश, प्रभारी निरीक्षक बांसी सन्तोष कुमार तिवारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी गण मौजूद रहें।

जिम्मेदारों की उदासीनता से ग्राम पंचायत बसहिया चौपाल कार्यक्रम में नही आये ग्रामवासी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी चौपाल कार्यक्रम जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण धरातल पर धराशाई होता नजर आ रहा है। ताजा मामला विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत बसहिया का है, जहां बताया जाता है कि शुक्रवार को गांव की समस्या गांव में समाधान करने हेतु पंचायत सहायक राम विलास की अध्यक्षता में होना था। जहा दोपहर के समय कार्यक्रम स्थल पर एडीओ पंचायत राम विलास, ग्राम प्रधान रेखा निषाद, पंचायत सचिव दिलीप कुमार यादव आदि कुछ गिने चुने लोग ही चौपाल कार्यक्रम में मौजूद रहे। यही आशा, आंगनबाड़ी, कोटेदार, सफाईकर्मी, केयरटेकर आदि लोग भी कार्यक्रम से नदारद रहे। गांव की जनता भी कार्यक्रम में आने से कतराती रही। जिसके

कारण चौपाल कार्यक्रम सही ढंग से सम्पन्न नहीं हो सका और कार्यक्रम को ऐसे ही आधा अधूरा छोड़कर मौजूदा लोग झोला उठाकर चल दिये। बताया जाता है कि जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण चौपाल कार्यक्रम अब कागजों में सिमट कर रह गई है। जो कोरम पूरा कर टाइम पास किया जा रहा है। मौके पर ना तो गांव के जिम्मेदार कर्मचारी उपस्थित होते हैं और ना ही ब्लाक स्तर के जिम्मेदार अधिकारी रुचि ले रहे हैं। शायद इसी कारण गांव की जनता भी अब अपनी समस्या लेकर चौपाल कार्यक्रम में जाना नहीं चाहती है। जबकि सरकार की मंशा थी कि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन कर गांव स्तर पर ही ग्रामीणों की समस्या को सुनकर उसका समाधान किया जाना था। जिसकी सूची जिला स्तर से उच्चाधिकारियों द्वारा बनाकर पहले से ही जारी की जाती है। जो अब सरकार की मंशा पर पानी फिरता हुआ नजर आ रहा है। उक्त सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी अनिशि मणि पाण्डेय का कहना है कि इस तरह की लापरवाही चिन्तनीय है। मामले को गम्भीरता से लिया जायेगा। ताकि दोबारा इस तरह से कोई मामला सामने ना आये। वहीं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है। जिम्मेदार लोगों से जानकारी प्राप्त कर दिशा-निर्देश जारी किया जायेगा। लापरवाही बरतने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी की जायेगी।

डीआईजी बस्ती ने बांसी के राप्ती घाट व बाबा मटेश्वरनाथ धाम मिठवल बाजार मंदिर का किया निरीक्षण/भ्रमण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी द्वारा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डा0 अभिषेक महाजन के साथ जनपद के थाना बांसी के राप्ती घाट तथा बाबा मटेश्वरनाथ धाम मिठवल बाजार आदि स्थलों का निरीक्षण/भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। श्रावण मास/कावड़ यात्रा पर्व को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक बन्दोबस्त करने हेतु निर्देशित किया गया। यहीं सभी घाटों पर पर्याप्त संख्या में महिला व पुरुष पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाने, साथ ही सादे वस्त्रों में भी पुलिस कर्मियों द्वारा निगरानी करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद, क्षेत्राधिकारी बांसी पवीन प्रकाश, प्रभारी निरीक्षक बांसी सन्तोष कुमार तिवारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी गण मौजूद रहें।

डीआईजी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी द्वारा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डा0 अभिषेक महाजन के साथ थाना बांसी क्षेत्रान्तर्गत राप्ती नदी, ग्राम मिठवल, धुमधा आदि का निरीक्षण कर प्रबन्धों की जानकारी ली गयी। निरीक्षण के दौरान एसडीआरएफ द्वारा बाढ़ से बचाव हेतु किये गये तैयारी व अति संवेदनशील तथा संवेदनशील बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों के बारे में जानकारी लेते हुए बाढ़ से बचाव के लिए अब तक की गयी तैयारियों की समीक्षा किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद, क्षेत्राधिकारी बांसी पवीन प्रकाश, प्रभारी निरीक्षक बांसी सन्तोष कुमार तिवारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी गण सहित एसडीआरएफ टीम मौजूद रहें।

अकेली और गरीब महिलाओं के लिए एक महीने का ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण पूर्ण

दैनिक बुद्ध का संदेश

खुनुवा/सिद्धार्थनगर। पड़ोसी देश नेपाल की महिलाओं को सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के उद्देश्य से खुशी हस्तकला केन्द्र द्वारा आयोजित जिला कपिलवस्तु के यशोधरा ग्रामीण नगर पालिका के सहयोग से एकल महिलाओं और गरीब महिलाओं को लक्षित करते हुए यशोधरा ग्रामीण नगर पालिका वार्ड क्रमांक-07 में एक महीने का ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण कार्यक्रम पूरा हो गया है। यशोधरा ग्रामीण नगर पालिका के विभिन्न वार्डों से कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं को 22 हेयर ड्रायर और 21 हेयर आयरन मशीन के साथ-साथ ब्यूटी पार्लर, सैलून संचालन तकनीक, ग्राहक सेवा और सौन्दर्य उत्पादों के उपयोग के तरीकों से सम्बन्धित बुनियादी कौशल पर व्यावहारिक और

सैद्धान्तिक ज्ञान प्रदान किया गया। वहीं आयोजक संस्था ने कहा है कि प्रशिक्षकों के अनुभव और आधुनिक उपकरणों के उपयोग से प्रशिक्षण को प्रभावी बनाया गया है। खुशी हस्तशिल्प केन्द्र के प्रतिनिधि ने बताया कि इस तरह के कौशल आधारित प्रशिक्षण महिलाओं के स्वावलम्बन और उद्यमिता विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं और बताया कि आने वाले दिनों में और अधिक विस्तारित कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। सहयोगी संस्था यशोधरा ग्रामीण नगर पालिका के अध्यक्ष शिव दयाल तिवारी ने महिलाओं को सशक्त बनाने में सहयोग जारी रखने के लिए नगर पालिका की प्रतिबद्धता जताई है। प्रशिक्षण में भाग लेने वाली महिलाओं ने कहा कि प्रशिक्षण से उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं ने न केवल व्यावसायिक कौशल प्राप्त किया है, बल्कि आत्मविश्वास भी प्राप्त किया है, जिससे उनके सामाजिक और आर्थिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। खुशी हस्तकला केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यशोधरा ग्रामीण नगर पालिका प्रमुख शिव दयाल तिवारी, उप प्रमुख गुंजा देवी मौर्य, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ऋषभ देव खनाल, वार्ड क्रमांक-07 के वार्ड अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

डीआईजी बस्ती द्वारा सिद्धार्थनगर के थाना बांसी का किया आकस्मिक निरीक्षण

बांसी/सिद्धार्थनगर। पुलिस उपमहानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी के थाना बांसी पहुंचने पर पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। तत्पश्चात डीआईजी बस्ती द्वारा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के साथ थाना बांसी के थाना भवन, शस्त्रागार, बैरक, भोजनालय,

थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्पडेस्क व साइबर हेल्प डेस्क आदि का निरीक्षण किया गया। डीआईजी बस्ती द्वारा थाने के अपराध रजिस्टर, अन्य रजिस्टरों की जांच की गयी। वहीं थाने के टॉप-10 अपराधियों के बारे में जानकारी कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान डीआईजी बस्ती ने थाना परिसर व कार्यालय की साफ-सफाई का जायजा लिया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद, क्षेत्राधिकारी बांसी पवीन प्रकाश, प्रभारी निरीक्षक बांसी सन्तोष कुमार तिवारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी गण मौजूद रहें।

जिलाधिकारी नें किया जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक

कार्यों में रूचि न लेने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के विरूद्ध होगी कठोर कार्यवाही : जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में जिला स्तरीय पोषण समिति/जिला कन्वर्जेंस समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा विगत माह के बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की गयी। प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना में गर्भवती महिलाओ का पंजीकरण कराने का निर्देश दिया तथा प्रोत्साहन राशि का भुगतान कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि स्वास्थ्य विभाग एवं बाल विकास विभाग का डाटा एक समान होना चाहिए। पंजीकरण व भुगतान का डाटा 15 दिन में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पुष्टाहार प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का शत-प्रतिशत फेस वेरीफिकेशन/ईकेवाईसी पूर्ण कराये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा कार्य में रूचि नही लिया जा रहा है उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही करें। 03 दिन में कार्य में प्रगति न होने पर सीडीपीओ की जबाबदेही होगी। टीएचआर प्लान्ट द्वारा प्रतिदिन उत्पादन किया जाये। जिलाधिकारी ने टीएचआर प्लान्ट का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि वीएचएनडी दिवस पर 02 रजिस्टर पूर्ण होना चाहिए जिसमें गर्भवती महिलाओं का विवरण एवं सैम-मैम बच्चों का विवरण दर्ज कराये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री का रजिस्टर एएनएम एवं आशा

के रजिस्टर से मिलान होना चाहिए। जिलाधिकारी ने कार्ड पर आरसीएच नम्बर लिखने का निर्देश दिया। आरसीएच नम्बर नही लिखे होने पर जननी सुरक्षा योजना का लाभ नही मिलेगा। वीएचएनडी दिवस में पोषाहार एवं खाद्यान्न का वितरण कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने डाटा फीडिंग शत-प्रतिशत कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओ एवं बच्चो को चिन्हित कर समय से पोषाहार उपलब्ध कराये, बच्चो में पुष्टाहार का वितरण कराने का निर्देश दिया। इस कार्य में लापरवाही पाये जाने पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त सी.डी.पी.ओ./सुपरवाइजर को निर्देश दिया कि वीएचएनडी के माध्यम से सैम बच्चों, मैम बच्चे, गर्भवती महिलाओ का स्वास्थ्य परीक्षण कराने का निर्देश दिया। बीएचएसएनडी दिवस बुधवार और शनिवार को किसी भी दशा में आंगनबाड़ी कार्यकत्री व मुख्य सेविका अवकाश पर नही जायेगी। अपरिहार्य की स्थिति में ही अवकाश दिया जाये। इसके अलावा होम विजिट पोषण ट्रैकर के प्रगति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी को निर्देश दिया कि केन्द्रो पर प्रयास कर बेहतर कार्य करें। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त डीसीमनरेगा संदीप सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज शुक्ला, समस्त सी0डी0पी0ओ0, सुपरवाइजर व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मनरेगा योजना में सिर्फ सेल्फी प्वाइंट बनाकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार

दैनिक बुद्ध का संदेश /सुषमा मिश्रा

बांसी। मामला बांसी तहसील के विकासखंड खेसरहा के ग्राम पंचायत दुबनी का। केन्द्र व प्रदेश सरकार के जीरो टॉलरेंस की नीति, नेशनल मोबाइल मानिटरिंग सर्विस (NMMS) को रोजगार सेवक दिखा रहे ठेंगा। ग्राम पंचायत दुबनी में चल रहा है मनरेगा में भ्रष्टाचार का खेल। दुबनी में कुल 14 मास्टर रोल और 2 आईडी पर 132श्रमिकों का सेल्फी प्वाइंट बनाकर एक ही फोटो को हर मास्टर रोल पर अपलोड किया जा रहा है। उक्त कार्य पर रोजगार सेवक द्वारा अपनी नौकरी को दाव पर लगाते हुए एक ही सेल्फी से कई बार (NMMS) किया गया है। केन्द्र व प्रदेश सरकार के नेशनल मोबाइल मानिटरिंग सर्विस पूरी तरह से हो रहा विफल

जिम्मेदार बने मूक दर्शक। मजे की बात यह है की दुबनी में 14 मास्टर रोल और 2 आइडी पर 1 ही श्रमिकों और एक ही साइट का फोटो अपलोड कर किया गया है मॉनिटरिंग। सेल्फी लेकर किया जा रहा है मॉनिटरिंग फोटो अपलोड।

सम्पादकीय

निस्संदेह, संगठन ने भारतीय पक्ष पर ध्यान न देकर अपने मंसूबों को उजागर किया है। ऐसे में संगठन के सदस्य देशों में विश्वास, मित्रता और संबंधों को मजबूत बनाने के लक्ष्य पूरा होना संदिग्ध ही है। दरअसल, रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ...

चीन-केंद्रित एससीओ की असलियत बेनकाब

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के क्विंगदाओ में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ सम्मेलन समाप्ति के बाद जारी साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से मना करके आतंकवाद पर भारतीय पक्ष को ही पुष्ट किया है। जिसके चलते दो दिवसीय सम्मेलन की समाप्ति पर ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी नहीं हो सकी। दरअसल भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। रक्षामंत्री ने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद हमारी शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे। सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में पर्यटकों को धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मारी गई। जिसकी जिम्मेदारी संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी समूह घोषित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली थी। इसके बाद भारत ने फैसला किया कि हम आतंकवाद के केंद्रों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनका मानना था कि आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए बिना एससीओ को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करनी चाहिए। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिकार में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं है। पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। लेकिन पाकिस्तान और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए हमने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाकिस्तान के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले शंघाई सहयोग संगठन ने सम्मेलन के समापन पर जारी ज्वाइंट स्टेटमेंट में पहलगाम की घटना को नजरअंदाज किया। जिससे पता चलता है कि भारत की आतंकवाद पर नई नीति को और ढंग से समझाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मेजबान चीन, एससीओ का प्रमुख संस्थापक सदस्य और उस पाक का सदाबहार मित्र है, जिसकी जमीन से पहलगाम साजिश को अंजाम दिया गया। ऐसे में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ज्वाइंट स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर न करना भारत की नाराजगी जाहिर करने की दिशा में सही कदम ही है। उन्होंने सदस्य देशों को स्पष्ट किया कि सीमा पार से चलाये जा रहे आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के लिये कोई जगह नहीं होनी चाहिए। सदस्य देशों को उन देशों की आलोचना करने से नहीं हिचकना चाहिए जो आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। निस्संदेह, संगठन ने भारतीय पक्ष पर ध्यान न देकर अपने मंसूबों को उजागर किया है। ऐसे में संगठन के सदस्य देशों में विश्वास, मित्रता और संबंधों को मजबूत बनाने के लक्ष्य पूरा होना संदिग्ध ही है। दरअसल, रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तौला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था, जिसने आतंकवाद विरोधी प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की थी। साथ ही उसके सेना प्रमुख के लिये लाल कालीन बिछाया था। वही संदेश एससीओ की बैठक में रक्षामंत्री ने चीन को दिया है। भारत को आतंकवाद के खिलाफ अपने कूटनीतिक प्रयासों को धार देनी चाहिए।

दस महाविद्या की आराधना से सृष्टि रहती है गतिमान

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि हिंदू महीने आषाढ़ मास में मनाई जाती है जो अंग्रेजी कैलेंडर के जून और जुलाई महीनों के बीच में होता है। यह मानसून के मौसम के प्रारंभ का प्रतीक है, जब लोगों को कठोर गर्मी से राहत मिलती है। इसलिए ये देवी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। माता की कृपा से ही बारिश होती है। किसान बारिश से प्रफुल्लित होते हैं। इस नवरात्रि को साधकों और तपस्वियों की नवरात्रि के रूप में जाना जाता है जिसमें दस महाविद्या की आराधना की जाती है।

दस महाविद्या

देवी पार्वती या शक्ति के दस उग्र रूप हैं, जिन्हें हिंदू धर्म में ज्ञान की अलग-अलग अभिव्यक्तियों के रूप में पूजा जाता है। ये दस रूप हैं, काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी, और कमलात्मिका।

दस महाविद्याओं का वर्णन विभिन्न धार्मिक परंपराओं में मिलता है, जिनमें शाक्तिवाद, शैव धर्म, वैष्णव धर्म और वज्रयान बौद्ध धर्म शामिल हैं।

दस महाविद्याओं के नाम:

1. काली: यह विद्या समय, परिवर्तन और विनाश की देवी है।
2. तारा: यह विद्या ज्ञान, मुक्ति और मोक्ष की देवी हैं।
3. त्रिपुर सुंदरी: यह विद्या सुंदरता, प्रेम और रचनात्मकता की देवी हैं।
4. भुवनेश्वरी: यह विद्या ब्रह्मांड और सभी प्राणियों की देवी हैं।
5. भैरवी: यह विद्या शक्ति, साहस और परिवर्तन की देवी हैं।
6. छिन्नमस्ता: यह विद्या आत्म-बलिदान, आत्म-नियंत्रण और मुक्ति की देवी हैं।
7. धूमावती: यह विद्या ज्ञान, अलगाव और मोक्ष की देवी हैं।
8. बगलामुखी: यह विद्या शक्ति, नियंत्रण और विनाश की देवी हैं।
9. मातंगी: यह विद्या कला, संगीत और ज्ञान की देवी हैं।
10. कमलात्मिका: यह विद्या धन, समृद्धि और भौतिक सुखों की देवी हैं।

इन दस देवियों को दस महाविद्या कहा जाता है, और इनकी पूजा हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखती है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

उर्वरक नीति में बदलाव अब समय की मांग

उर्वरक सब्सिडी के मौजूदा सरकारी आंकड़ों के हिसाब से प्रति एकड़ सिंचित भूमि के लिए 7,000 रुपये और वर्षा आधारित बारानी भूमि के लिए 4,000 रुपये दिये जाने चाहिए। कृषि मंत्रालय ने पहले ही पीएम-किसान, पीएम फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी विभिन्न योजनाओं के आंकड़े तथा प्रत्येक किसान को नवीनतम विशिष्ट आईडी, जिसमें भूमि जोत, बोई गई फसल और उपज जैसे विवरण शामिल हैं..

डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

हरित क्रांति के दौर से पहले किसान प्राकृतिक खेती किया करते थे, जिसमें रासायनिक उर्वरकों की खपत नगण्य थी। उस समय फसलों का उत्पादन और उत्पादकता कम थी। देश के बार-बार अकालग्रस्त होने से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विदेशी अनाज के आयात पर निर्भर थी। वर्ष 1943 के बंगाल अकाल में 30 लाख से ज्यादा लोग भूख से मारे गए। ऐसी विकट परिस्थितियों में, नीतिकारों ने हरित क्रान्ति के जनक डा. नॉर्मन बोरलॉग द्वारा विकसित गेहूं की बौनी किस्मों और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान से धान की बौनी किस्मों का आयात करके, देश में हरित क्रांति का आगाज किया। इन उन्नत गेहूं-धान की बौनी किस्मों और बाजरा-ज्वार की हाईब्रीड किस्मों से पूरा उत्पादन लेने के लिए, भारी मात्रा में उर्वरकों का आयात और उत्पादन व भूजल आधारित ट्यूबवेल से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया गया। हरित क्रांति दौर में अपनाए गए कृषि सुधारों से देश में विभिन्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में कई गुणा बढ़ोतरी हुई। जिसकी बदौलत पिछले 5 दशकों से लगातार बढ़ती आबादी के बावजूद देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना हुआ है। चावल का पचास हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का वार्षिक निर्यात भी कर रहा है।

भारत में वर्ष 2022 में उर्वरक की औसत खपत 193 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि थी और लगभग 30 करोड़ मीट्रिक टन उर्वरक की खपत हुई। भारत में यूरिया सबसे ज्यादा

इस्तेमाल होने वाला उर्वरक है। देश में उर्वरक की खपत प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। उर्वरकों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार भारी मात्रा में वार्षिक आयात करती है। हरियाणा-पंजाब-पश्चिम उत्तर प्रदेश आदि प्रदेशों में गेहूं-धान फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन वार्षिक से ज्यादा है। इसी तरह पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल आदि प्रदेशों में भी वार्षिक धान की 2-3 फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन से ज्यादा है। इसलिए इन प्रदेशों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से दुगने से भी ज्यादा प्रति हेक्टेयर 250 किलो नाइट्रोजन, 120 किलो फास्फोरस और 200 किलो पोटेशियम के आसपास है। जबकि वर्षा आधारित बारानी फसलों बाजरा, ज्वार, दलहन, तिलहन आदि के उत्पादक राज्यों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से काफी कम रहती है। उच्च उत्पादकता वाली कन्दमूल और गन्ने जैसी फसलों को अच्छी पैदावार देने के लिए ज्यादा पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिससे इन फसलों की रासायनिक उर्वरक की खपत बहुत ज्यादा होती है। हरित क्रांति दौर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, नीतिकारों ने कृषि क्षेत्र के लिए रासायनिक उर्वरक की सस्ती दर पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक सब्सिडी नीति को अपनाया। किसानों को सस्ती दरों पर उर्वरक उपलब्ध कराने पर सरकार का व्यय पिछले वित्त वर्ष में 6 प्रतिशत घटकर रुपये 1,77,129.5 करोड़ रह गया, जो 2023-24 के दौरान रुपये 1,88,291.62 करोड़ था। यह गिरावट मुख्य रूप से यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के आयात में गिरावट तथा अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी के कारण हुई है। गिरावट के बावजूद, वास्तविक सब्सिडी बजट में प्रदान की गई रुपये 1,71,310 करोड़ से 3.4 प्रतिशत अधिक है। यूरिया, जो एक पूर्णत: नियंत्रित उर्वरक है, का विक्रय मूल्य पिछले कई वर्षों से 267 रुपये प्रति (45 किग्रा) बैग पर बना हुआ है। उद्योग के अनुमानों से पता चलता है कि सब्सिडी के बिना यह लगभग 1,750 रुपये प्रति बैग हो सकता है। इसी प्रकार, डीएपी का खुदरा मूल्य 1,350 रुपये प्रति बैग तय किया गया है, जो बिना सब्सिडी के लगभग 3,500 रुपये प्रति बैग हो जाएगा। सरकारी विभागों के कदाचार की वजह से लगभग आधे से ज्यादा सब्सिडी वाले कृषि ग्रेड उर्वरक की खपत उद्योगपतियों की फैक्टरियों में गैर-कानूनी तौर पर हो रही है यानी कृषि के लिए दी जा रही केन्द्रीय उर्वरक सब्सिडी का लाभ किसानों को नहीं मिलकर, उद्योगपतियों को मिल रहा है। हर वर्ष फसल बुआई के समय किसानों को उर्वरक पूरी मात्रा में नहीं मिल पा रहा है। उन्हें उर्वरक खुले बाजार से महंगे दाम पर ब्लैक में लेना पड़ रहा है। किसानों को समय पर पूरी मात्रा में उर्वरक नहीं मिल पाने से, फसल की उत्पादकता पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। कृषि ग्रेड उर्वरक किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरक नहीं मिलने के चलते सरकार द्वारा नियंत्रित सहकारी उर्वरक कम्पनी इफ्को किसानों को वर्ष 2021 से नैनो यूरिया बेच रही है। इफ्को कम्पनी के दावों के अनुसार नैनो यूरिया तरल स्वरूप में पारंपरिक दानेदार यूरिया की 50 किलो की एक बोरी का विकल्प है। हरित क्रांति दौर से अग्रणी रहे पंजाब कृषि विश्वविद्यालय आदि अनेक संस्थानों के अनुसंधान में नैनो यूरिया को कृषि क्षेत्र के लिए अनुपयोगी पाया गया है। कृषि ग्रेड उर्वरक के उद्योग में गैर-कानूनी दुरुपयोग को रोकने और उर्वरक सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाकर किसानों तक पहुंचाने के लिए सरकार पिछले कई वर्षों से प्रयासरत है। कृषि सुधारों में सबसे ज्यादा तर्कसंगत उपाय उर्वरक सब्सिडी का किसानों को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण रहेगा।

क्रिकेट का साम्राज्य और सामूहिक सम्मोहन

क्रिकेट नामक तमाशा जिस किस्म का सामूहिक सम्मोहन पैदा कर रहा है, उसके घातक परिणाम होकर रहेंगे। वास्तव में, मुझे झटका तो लगा, लेकिन हैरानी नहीं हुई जब मुझे बेंगलुरु के एक क्रिकेट स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत के बारे में पता चला। इसके बारे में विचार कीजिए। जिस स्टेडियम की कुल क्षमता ही 32,000 है, वहां रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की ...

अभिजित पाठक

हाल ही में, बिहार के ग्रामीण बच्चों के एक समूह के साथ बातचीत में, मैंने उनके पसंदीदा खेल के बारे में पूछा। उन्होंने बड़े उत्साह के साथ जवाब दिया, 'क्रिकेट'। मैंने आगे जानना चाहा और इस बार उनके पसंदीदा क्रिकेटर का नाम पूछा। और भी जोश के साथ जवाब आया, 'विराट कोहली'। इसने मुझे संवाद आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया और पूछा, क्या आप मुझे किसी महान हॉकी खिलाड़ी या महिला पहलवान का नाम बता सकते हैं? इस बार गहरी खामोशी छा गई। वास्तव में, यह चुप्पी बताती है कि किस तरह क्रिकेट ने हमारी चेतना पर कब्जा जमा लिया है और अंतत: ध्यानचंद जैसे हॉकी के दिग्गज, इंदर सिंह जैसे फुटबॉलर या विनेश फोगाट जैसी महिला पहलवान से जुड़ी हमारी सामूहिक यादों को मिटा दिया है।

वास्तव में, क्रिकेट सर्वव्यापी हो गया है, चाहे गांव हो या शहर, यह झुग्गियों में भी है और गेट लगी कालोनियों में भी और ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक कांस्टेबल से लेकर रसोई में काम करने वाली गृहिणी तक या कॉर्पोरेट कार्यकारी से लेकर युवा छात्र तक - हर कोई क्रिकेट से सम्मोहित है। इसलिए, इसमें कोई हैरानी नहीं कि और जैसा कि एक अनुमान बताता है, हाल ही में आयोजित आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) को देखने वाले टीवी दर्शकों की संख्या 50 करोड़ से अधिक रही। ऐसा लगता है कि क्रिकेट सिर्फ एक अन्य खेल नहीं है। यह एक तमाशा बन चुका है, एक बहुत बड़े पैमाने पर उपभोग की वस्तु और सबसे बढ़कर, एक ऐसी आधुनिक पौराणिक कथा, जो जीवन शैली बेचती है- ग्लैमर, पैसा और स्टारडम।

असल में, इस घटनाक्रम को समझने के लिए हमें तीन चीजों को समझने की जरूरत है। पहली, क्रिकेट एक बेहद लाभदायक व्यापारिक साम्राज्य में तब्दील हो गया है। चूंकि नवउदारवाद के युग में बाजारवाद को एक गुण माना जाता है, क्रिकेट- जो हर एक दिवसीय क्रिकेट अपनी तात्कालिकता, जोशीलेपन, विज्ञापन मशीनरी और तकनीकी रूप से परिष्कृत लाइव कवरेज के साथ- एक बिक्री योग्य वस्तु बन गया है। वास्तव में, हम आईपीएल को एक बेहतरीन बिजनेस मॉडल के रूप में इस तरह समझ सकते हैं, जब हमें यह पता चले कि इसने केवल घरेलू मीडिया राजस्व के जरिए ही 1.21 बिलियन डॉलर से कम नहीं कमाए हैं। और यह मत भूलिए कि बहुत सारे क्रिकेट जुआ एप्लीकेशन सभी हैं- यहां तक कि बड़े क्रिकेटरों द्वारा प्रचारित। तो इसमें क्या हैरानी कि आईपीएल सीजन के दौरान 34 करोड़ से ज्यादा भारतीयों ने इस जुएबाजी में हिस्सा लिया और दुनियाभर से हुई कमाई 1 बिलियन डॉलर से ज्यादा की रही। जब मैं इन आंकड़ों को देखता हूं, तो मुझे फटे कपड़ों वाला वह ग्रामीण लड़का याद आता है, जो विराट कोहली को अपना हीरो मानता है। मैं उसे समझाने की कोशिश करता हूं कि उसका पसंदीदा क्रिकेटर भी एक उत्पाद या ब्रांड ही है और इस बार उसकी नीलामी कीमत सिर्फ 21 करोड़ रुपये थीय और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु नामक एक कंपनी ने उसे खरीद लिया। उसने मुझे बेहद आश्चर्य से देखा।

दूसरी, चूंकि हममें से ज्यादातर लोग सक्रिय रचनात्मक जिंदगी जीने की बजाय निष्क्रिय उपभोक्ता के रूप में जीते हैं, इसलिए इन क्रिकेटरों की चमक-दमक से जुड़ी परी कथाओं से विस्मित हो जाना मुश्किल नहीं। उनका ग्लैमर, उनकी ब्रांड वैल्यू, उनके प्रेम प्रसंग, यत्न करके गढ़ी गई छवि और उनकी जीवनशैली हमें लुभाती है। दरअसल, ये बॉलीवुड सेलेब्रिटीज से कम भड़कीली हकीकत नहीं हैं। सिर्फ इतना ही नहीं। बाजारवाद की खींच इतनी अधिक कि यदि आप किसी भी आईपीएल टीम के खिलाड़ियों की जर्सी पर अलग-अलग प्रायोजकों के प्रतीक चिन्ह (लोगो) देखें, तो लगेगा मानो वाकई चलते-फिरते बिल बोर्ड बन चुके हैं। दरअसल, खेलते वक्त भी वे आपको वह उत्पाद खरीदने के लिए लालायित करते हैं। यही मुद्रा घुमाने का चक्र है। आप और हम पागल हो जाते हैं, आईपीएल की टिकट ब्लैक में खरीदते हैं या घंटों टीवी के सामने बैठकर जिंदगी की एकरसता से उबरने के लिए क्रिकेट देखते हैं। और इस बीच, क्रिकेटर और उनके प्रायोजक दिमाग हिला देने वाली दौलत कमाते हैं।

और तीसरी, एक अन्य कठोर सच्चाई, जिसे स्वीकार करना महत्वपूर्ण है रू क्रिकेट का हथियारीकरण। जी हां, नवउदारवाद और अति-राष्ट्रवाद एक साथ चल रहे हैंय और इसलिए, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि क्रिकेट की व्यापक अपील का इस्तेमाल अक्सर अति-राष्ट्रवादी आवेगों को सक्रिय करने में एक औजार के रूप में किया जाता है। कल्पना करें कि भारत और पाकिस्तान विश्व कप में खेल रहे हैं। हमें खेल को युद्ध की तरह लेने को बरगला दिया जाता है। जहां मैच में जीत आत्ममुग्धता भरे अहंकार को बढ़ाती है, वहीं हार सामूहिक शोक में डुबा देती है। वास्तव में, क्रिकेट को अति-राष्ट्रवादी चश्मे से देखना तमाम किस्म की विकृतियों को जन्म देता है। उदाहरणार्थ, आप किसी पाकिस्तानी क्रिकेटर के गेंदबाजी कौशल की तारीफ नहीं कर सकते जो विराट कोहली या रोहित शर्मा को कड़ी मुश्किल डाल रहा हो। क्या पता आप इस किस्म का 'राष्ट्र-विरोधी' धतकर्म कर बैठें और बुलडोजर आपके घर को निशाने पर लें? दरअसल, इस किस्म के क्रिकेट उन्माद के बीच अति-राष्ट्रवादी प्रशंसकों का गिरोह अपनी निगरानी मशीनरी को तेज कर देता है, और नोट करता है कि क्या देश के संभावित 'दुश्मन' भारत का समर्थन कर रहे हैं या जब कोई पाकिस्तानी बल्लेबाज खूबसूरती से खेले और शतक बना डाले, तो तालियां बजा रहे हैं। वास्तव में, एक उपभोग की वस्तु होने के अलावा, क्रिकेट इस विभाजित समय में एक अति-राष्ट्रवादी उत्प्रेरक बन गया है। और यह बिक रहा है?

लौटाओ, वरना...इजरायल ने धमकाया, ईरान ने 400 किग्रा यूरेनियम नार्थ कोरिया पहुंचाया ? दम है तो ले लो

ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों तक चली जंग के बाद सीजफायर तो हो गया। लेकिन युद्ध विराम के बाद भी ईरान के 400 किलो यूरेनियम की थ्योरी सुलझ नहीं पाई क्योंकि दावा किया गया कि ईरान के फोर्डो परमाणु अड्डे पर अमेरिका के हमलों से पहले ही ईरान ने वहां से यूरेनियम को खेप हटा ली थी। अमेरिकी सैटेलाइट कंपनी मैक्सार ने भी फोर्डो परमाणु अड्डे पर हमले से ठीक पहले की कुछ तस्वीरें जारी की थी। उन तस्वीरों में ईरान के फोर्डो परमाणु संयंत्रों वाली सड़क पर ट्रकों की लंबी कतारें नजर आई थी। इसी के आधार पर ये दावा किया गया था कि ईरान ने फोर्डो परमाणु संयंत्रों को खाली करने का काम 19 जून से ही शुरू कर दिया था। 16 ट्रकों के जरिए परमाणु ठिकानों में मौजूद यूरेनियम और मशीनों को दूसरी जगह भेज दिया गया था। दावा किया गया कि अमेरिका के हमलों से पहले ही ईरान ने अपने परमाणु अड्डों को खाली कर दिया था। लेकिन उस वक्त ये जानकारी सामने नहीं आ सकी थी कि ईरान कितना यूरेनियम अपने परमाणु प्लांट से निकाल पाया था।

हालांकि जंग खत्म होने के बाद अमेरिकी मीडिया में खबरें छपी की ईरान ने 400 किलो हाई क्वालिटी यूरेनियम को किसी खुफिया जगह छिपा दिया था। इतने यूरेनियम से 10 से ज्यादा शक्तिशाली परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। 25 से 30 किलो यूरेनियम से 1 परमाणु बम तैयार किया जा सकता है। ईरान पहले ही ये ऐलान कर चुका है कि वो किसी भी कीमत पर अपना परमाणु कार्यक्रम रोकने वाला नहीं है। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि ईरान को खतरनाक स्तर तक संवर्धित (एनरिच) किए गए

यूरेनियम को वापस करना होगा। काट्ज ने साफ कहा कि अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान को संयुक्त रूप से यह संदेश दिया गया है कि उसे अपना एनरिच यूरेनियम सौंपना होगा।

नार्थ कोरिया पहुंचा यूरेनियम?

लेकिन अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ईरान और नार्थ कोरिया के खतरनाक गठजोड़ का दावा कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई हर कीमत पर परमाणु बम बनाना चाहते हैं और उनकी इस हसरत को पूरा करने के लिए किम जोंग उन ने मोर्चा संभाल लिया है। अमेरिकी हमले के बाद ईरान के परमाणु सेंटर में तो शांति है। लेकिन कहा जा रहा है कि नार्थ कोरिया के परमाणु सेंटर में हलचल बढ़ गई है। एक दावा तो ये भी किया जा रहा हैकि ईरान से गायब हुआ 400 किलो यूरेनियम नार्थ कोरिया पहुंच चुका है।

ईरान का यूरेनियम भंडार

पिछले कुछ दिनों में ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं कि ईरान ने यूरेनियम के 400 किलोग्राम के विशाल भंडार को यू.एस. के हमलों से पहले किसी गुप्त स्थान पर ले जाया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हमलों, जिनकी ट्रम्प ने बार-बार शानदार और खुल्लमखुल्ला के रूप में प्रशंसा की है ने यू.एस. राष्ट्रपति के दावे के विपरीत ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से बाधित करने के बजाय केवल विलंबित किया है। हालांकि, यू.एस. रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने गुरुवार को भंडार के दावे को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें ऐसी किसी खुफिया जानकारी के बारे में पता नहीं है। अमेरिका ने ईरान के साथ तनाव में अपने दशकों पुराने सहयोगी इजरायल का साथ देते हुए तीन ईरानी परमाणु स्थलों पर एक दर्जन से अधिक 30,000 पाउंड के बंकर-बस्टर बम गिराए।

रवि शास्त्री ने की आईसीसी से ये मांग, ICC के राजस्व में भारत को मिलना चाहिए बड़ा हिस्सा

भारत के पूर्व क्रिकेटर और मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारत को आईसीसी के कुल राजस्व में और भी बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। इसके पीछे का कारण ये हैकि आईसीसी के खजाने में भारत का योगदान सबसे ज्यादा है। 2024-27 चक्र के मॉडल के अनुसार भारत वर्तमान में आईसीसी के कुल राजस्व का 38.5 प्रतिशत कमाता है, जो इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से काफी ज्यादा है। बावजूद रवि शास्त्री इसमें और बढ़ोतरी चाहते हैं।

दरअसल, शास्त्री का मानना है कि जब भारत कभी विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना इजाफा होता है। इसलिए ऐसा कहना बिल्कुल जायज होगा कि उन्हें उनके हिस्से का बड़ा भाग मिले।

विज्डन क्रिकेट से बातचीत के दौरान शास्त्री ने कहा कि, भारत को आईसीसी के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारत कभी विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना इजाफा होता है। टीवी से जो भी कमाई के आंकड़े खुद ये साबित करते हैं। इसलिए ऐसा कहना बिल्कुल जायज होगा कि उन्हें उनके हिस्से का बड़ा भाग मिले।

उन्होंने कहा कि, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। ये सब इकोनॉमी पर निर्भर करता है। अगर कल को कोई और देश की इकोनॉमी भारत से मजबूत हो जाए तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में हुआ करताथा। उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी और देश को जाता था। इसलिए भारत के लिए और बड़ा हिस्सा मांगना सही है।

बता दें कि, आईसीसी के राजस्व मॉडल के मुताबिक, 88 प्रतिशत से ज्यादा राजस्व 12 पूर्ण सदस्य जो टेस्ट खेलने वाले देश हैं उनके बीच बांटा जाता है। इसमें से 48.2 प्रतिशत का अहम हिस्सा खेल के तीन शक्तिशाली देशों, भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बांटा जाता है। भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसे अपने हिस्से का प्रतिशत दोहरे अंकों यानी 38.5 प्रतिशत में प्राप्त होता है।

जसप्रीत बुमराह के रिप्लेसमेंट हो सकते हैं कुलदीप यादव, जानें यहां कारण

भारत-इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट बुधवार 2 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स टेस्ट हारकर 0-1 से पीछे चल रही भारतीय टीम के लिए चिंता की खबर ये है कि इस मैच में जसप्रीत बुमराह के खेलने की संभावना कम है। बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत इस दौरे पर महज 3 टेस्ट मैच ही खेलेंगे। इनमें से 1 वह खेल चुके हैं। अब केवल 2 मैच ही वह खेलेंगे।

भारतीय टीम के पास उनके रिप्लेसमेंट के लिए काफी सीमित विकल्प हैं। शुभमन गिल और गौतम गंभीर को आकाशदीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव में से किसी एक को चुनना होगा। बुमराह के ना होने पर भारत की गेंदबाजी काफी कमजोर होगी। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर का प्रदर्शन पिछले मैच में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, लेकिन केवल 1 मैच के आधार पर खिलाड़ियों को ड्रॉप नहीं किया जाना चाहिए। खासकर तब जब बदलाव के दौर से गुजर रहे हों और भविष्य के लिए आपको गेंदबाज तैयार करने हों।

बर्मिंघम टेस्ट में भारतीय टीम को प्लेइंग 11 में सिर्फ 1 बदलाव करना चाहिए। एजबेस्टन की परिस्थितियां और पिच देखकर बुमराह का विकल्प चुना जाना चाहिए। मौसम भी बर्मिंघम में काफी गर्म रहने वाला है। 28 जून से 1 जुलाई के बीच 27 डिग्री सेल्सियस से 31 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहने की संभावना है। बारिश की संभावना काफी कम है।

टेस्ट मैच के दौरान 2 से 6 जुलाई के बीच 21-22 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहने की संभावना है। बारिश की संभावना नहीं है। ऐसे में कंडिशन काफी ड्राई रहने वाले हैं। कंडिशन ड्राई रहने पर कुलदीप यादव काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। ये चाइनामैन स्पिनर विकेट लेने की क्षमता रखता है। वह फ्लैट विकेट पर भी विकेट चटका सकते हैं। उन्हें पढ़ पाना मुश्किल होगा।

भारत की उड़न परी पीटी उषा मना रही 61वां जन्मदिन, देश का बढ़ाया गौरव

27 जून को पीटी उषा अपना 61वां जन्मदिन मनाया। महिला वर्ग में पीटी उषा का नाम बड़े ही अदब के साथ लिया जाता है। पीटी उषा ने 80 और 90 के दशक में पीटी उषा ने अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन किया था। हालांकि उन्होंने बचपन में गरीबी और संघर्ष का सामना किया था। लेकिन इसके बाद भी वह सभी समस्याओं को पार करते हुए एक महान धावक बनीं और अपने देश का नाम रोशन किया था। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर पीटी उषा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

भारत के ट्रैक एंड फील्ड के इतिहास में महिला वर्ग में पीटी उषा का नाम बड़े ही अदब के साथ लिया जाता है। उनकी तेज रफ्तार की वजह से उन्हें पय्योली एक्सप्रेस भी कहा जाता था। 80 और 90 के दशक में अपने शानदार खेल से उन्होंने देश का नाम खूब रोशन किया। केरल के कोझिकोड स्थित पय्योली गांव में 27 जून 1964 को जन्मी पीटी उषा आज अपना 58वां जन्मदिन मना रही हैं। परिवार की गरीबी की वजह से एथलीट बनने में उनके सामने अनेक कठिनाइयां आईं लेकिन इन सब मुश्किलों से पार पाते हुए वह एक महान धावक बनीं और देश का नाम रोशन किया।

जन्म और परिवार

केरल के कोझीकोड जिले में स्थित पयोली गांव में 27 जून 1964 को पीटी उषा का जन्म हुआ था। उनका जीवन काफी गरीबी में बीता और जब वह स्कूल में थीं, तभी उन्होंने दौड़ना शुरूकर दिया था। जब पीटी उषा चौथी कक्षा में थीं, तो उनके शारीरिक शिक्षा के टीचर ने जिले के चैंपियन मुकाबले में प्रतिभाग करने के लिए कहा। वहीं इस प्रतियोगिता में पीटी उषा ने जिला चैंपियन को हरा दिया था, जोकि उनके स्कूल में पढ़ती थीं।

शिक्षा. पीटी उषा अपने स्कूल के लिए जिला स्तर के मुकाबले में शामिल होने लगीं। वहीं खेलों में पीटी उषा के प्रदर्शन को देखते हुए केरल सरकार ने पीटी उषा को स्कॉलरशिप से सम्मानित किया था। वहीं पढ़ाई और ट्रेनिंग के लिए पीटी उषा ने कन्नूर के लिए एक विशेष खेल में स्कूल में एडमिशन लिया था। करियर. एथलीट करियर के रूप में उनके जीवन उस समय मोड़ आया, जब साल 1976 में पीटी उषा के कोच ओ. एम. नाम्बियार की नेशनल स्कूल गेम्स के दौरान नजर पड़ी। फिर उनको अंतरराष्ट्रीय खेलों में शामिल होने का मौका मिला। साल 1980 में पीटी उषा के अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत हुई थी। इस दौरान कराची में पीटी उषा ने पाकिस्तान ओपन नेशनल मीट में चार स्वर्ण पदक जीते। साल 1980 में पीटी उषा को मॉस्को, साल 1984 लॉस एंजिल्स और साल 1988 में सियोल में शामिल हुई थी। लेकिन वह पदक पाने से चूक गईं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक के फाइनल तक पीटी उषा पहुंचीं और वह देश के लिए बड़ी उपलब्धि थी। क्योंकि पीटी उषा से पहले भारतीय महिला एथलीट ओलंपिक फाइनल में नहीं पहुंची थीं। उन्होंने एशियाई खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

सम्मान. बता दें कि महज 20 साल की उम्र में पीटी उषा को पद्म श्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके साथ ही उनको विश्व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया था। भारतीय ओलंपिक संघ ने पीटी उषा को स्पोर्ट्स वुमन ऑफ द मिलेनियम और स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द सेंचुरीज के लिए नामित किया था। वहीं साल 2000 में भारत की इस सर्वश्रेष्ठ एथलीट ने करियर से संन्यास ले लिया।

भारतीय गेंदबाजो पर भड़के मोहम्मद शमी, कहा- जसप्रीत बुमराह से सीखो

इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट मैच में भारतीय तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। वहीं भारतीय तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन से टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी मोहम्मद शमी भी नाखुश नजर आए। पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने जीत के लिए 371 रन का पीछा आसानी से कर लिया और भारत को 5 विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारतीय गेंदबाजों ने दोनों पारियों में 4.5 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए हालांकि, जसप्रीत बुमराह काफी प्रभावी नजर आए। 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के बारे में बात करते हुए शमी ने सुझाव दिया कि टीम इंडिया के अन्य गेंदबाजों को बुमराह से सीखना चाहिए और मैच के दौरान उनका पूरा समर्थन करना चाहिए। बुमराह ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 5 विकेट लिए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्हें विकेट नहीं मिला क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने किसी भी तरह का जोखिम नहीं उठाने का फैसला किया था।

ईरान के सीक्रेट बंकर से अमेरिका को तमाचा, 5 मिनट 9 सेकेंड में खामनेई ने किए चौंकाने वाले खुलासे

12 दिन की जंग के बाद ईरान और इजरायल के बीच जंग को लेकर अमेरिका युद्ध विराम का ऐलान करता है। जंग थम जाती है, लेकिन सबसे बड़ा सस्पेंस ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई को लेकर रहता है। युद्ध विराम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के सामने आकर जंग रुकवाने का ढोल पीटा। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी दुनिया के सामने आकर कहा कि ईरान की जिन न्यूक्लियर साइट्स को तबाह करने के लिए उन्होंने अमेरिका के सपोर्ट से जो जंग छेड़ी थी कामयाब हुए। हालांकि ईरान की सेना की तरफ से भी दावा हुआ कि इजरायल के शहरों में जिस तरह से उन्होंने बैलेस्टिक मिसाइलों से तबाही मचाई है, जंग में जीत उनकी हुई है। ईरान की सड़कों पर जनता जश्न मनाते हुए दिखती है। हाथों में खामनेई के पोस्टर लिए हुए दिखती है। लेकिन बड़ा सवाल ये उठता है कि जब सीजफायर हो गया तो खामनेई कहां हैं।

जंग के बीच में एक मर्तबा 18 जून को खामनेई का वीडियो सामने आया था और उसके बाद खामनेई गायब हो गए। 24 जून को सीजफायर भी हो गया लेकिन खामनेई का कोई वीडियो भी नहीं आया। ऐसे में इंटरनेशनल मीडिया में खामनेई को लेकर जबरदस्त चर्चा शुरू होती है। न्यूयॉर्क टाइम्स लिखता है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई को बीते एक सप्ताह से न तो सार्वजनिक रूप से देखा गया और न ही उनसे कोई बात हुई है। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध विराम के बावजूद खामनेई अबतक सामने नहीं आए हैं। फिर सवाल उठने लगे कि क्या ईरानी सुप्रीम लीडर सुरक्षित हैं?

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार यही सवाल ईरान के सरकारी टेलीविजन पर खामनेई के कार्यालय के एक अधिकारी से पूछा जाता है। टीवी होस्ट ने अधिकारी से कहा कि लोग सर्वोच्च नेता के बारे में बहुत चिंतित हैं। क्या आप हमें बता सकते हैं कि वो कैसे हैं? खामनेई के आर्काइव अफसर ने इसका सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी को प्रार्थना करनी चाहिए कि सर्वोच्च नेता की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोग अच्छी तरह से अपना काम कर रहे हैं। सुप्रीम लीडर खामनेई की गैर मौजूदगी ने ईरानी लोगों को भी हैरान और बेचैन किया। लेकिन सीजफायर के 52 घंटे बाद खामनेई का 5 मिनट 9 सेकेंड का वीडियो रिलीज होता है। खामनेई सीधे अमेरिका और इजरायल को धमकी देते नजर आते हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने इजरायल-ईरान के बीच हालिया युद्धविराम के बाद गुरुवार को पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने इजराइल पर जीत हासिल की है। ईरान ने अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा है। खामनेई ने वीडियो मेसेज में कहा कि अमेरिका ने युद्ध में केवल इसलिए दखल किया, क्योंकि उसे लगा कि अगर उसने ऐसा नहीं किया, तो यहूदी शासन पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को इस युद्ध से कुछ हासिल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक गणराज्य विजयी हुआ और उसने अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा। भविष्य में भी यह कार्रवाई दोहराई जा सकती है। हमारी अमेरिकी अड्डों तक पहुंच है।

एंटीरोमियों टीम ने महिलाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे "मिशन शक्ति फेज-5.0" के तहत पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम व महिला पुलिस कर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे में पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

जिलाधिकारी नें नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के विभिन्न वार्डों में चल रहे निर्माण कार्यों को जाना हाल

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत वार्ड नं0–9 सिहेन्द्रीपुरम उषा देवी के घर से नवीन मण्डी के चकरोड तक इन्टर लाकिंग निर्माण कार्य का जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा इन्टर लाकिंग के सड़क को खोदवाकर एवं मानक अनुसार गहराई को नपवाकर देखा गया। मानक अनुरूप ठीक पाया गया। बीच में सड़क धंस गयी थी जिसे जिलाधिकारी ने ठीक कराने का निर्देश दिया।

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत सुभाष नगर में मिन्टू कसौधन के घर से वृद्धाश्रम तक तथा भगत सिंह वार्ड (पुरानी नौगढ़) में रफीक के घर से फरहान के क्लीनिक तक आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य का जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा नाली निर्माण के कार्य को देखा गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि नाली के ढक्कन बड़े साइज के लगाये जिससे सफाई कराने में समस्या न हो। इसके साथ समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग निर्माण कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत अटल नगर वार्ड में एन.एच. से विवेक श्रीवास्तव के घर के आगे तक सीसी रोड निर्माण कार्य का जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सड़क को देखा गया। जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण में मानक के अनुसार प्रयोग किये गये गिट्टी को खोदवाकर एवं नपवाकर देखा गया। मानक अनुरूप सही पाया गया। सड़क पर निर्माण के पश्चात जानवर के पैरो निशान बने हुए थे जिलाधिकारी ने उसके ठीक कराने का निर्देश दिया।

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत साड़ी तिराहा पर निर्माणाधीन योग मुद्रा का जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा देखा गया। जिलाधिकारी ने 05 जुलाई 2025 तक समस्त कार्य गुणवत्तापूर्ण कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही अशोक मार्ग पर लगे लाइट को 30 जून तक चालू कराने का निर्देश दिया।

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत अटल नगर वार्ड में एन.एच. रोड से प्राइमरी स्कूल तक निर्माणाधीन सीसी रोड का जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्माण हेतु डाली गयी गिट्टी को खोदवाकर एवं उसकी गहराई को नपवाकर देखा गया। जिलाधिकारी ने निर्धारित समय में कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

पति को चकमा देकर पत्नी हुई फरार

थाने में नामजद अभियुक्त के खिलाफ रिपोर्ट ना लिखकर गुमशुदगी की गई रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। विगत 20 जून 2025 कोलपने घर से पति के ससुराल जा रही नवविवाहित रास्ते में पति को चकमा देकर दूसरे व्यक्ति के फरार होने पर पति अपनी पत्नी की बरामदगी और अपहरणकर्ता के विरुद्ध कार्यवाई के लिए दर दर भटक रहा है तथा पत्नी का मोबाइल नंबर तथा अपहरणकर्ता का मोबाइल नंबर पर बार–बार घंटी जाकर व्यस्त होने पर भी एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद भी स्थानीय पुलिस प्रशासन पयागपुर पर अपहरणकर्ता से सांठगांठ करने तथा कार्यवाही में ढीलाहवाली और लीपापोती करने जैसा आरोप लगाते हुए पीड़ित पति संजय मिश्रा ने बताया कि उसकी शादी विगत 5 जून 2025 को पयागपुर थानांतर्गत ग्राम पंचायत सेमरियावा के निवासी शेषराज पाण्डेय की नाबालिग पुत्री जो कि 18साल भी नहीं पूरा हुआ था जिसके साथ वैदिक रीति रिवाज से सम्पन्न हुआ था जो अपने ससुराल जाकर फिर अपने मायके वापस आ गई थी जब पति दोबारा 20जून को अपनी पत्नी को विदा कराकर सेमरियावा पयागपुर से अपने घर गोण्डा जा रहा था तभी रास्ते में पयागपुर बस स्टैंड बाजार में पत्नी ने साड़ी लेने के लिए पति पर दबाव बनाया जिस पति ने साड़ी की दुकान पर जाकर पत्नी की पसंद से साड़ी खरीद कर पत्नी को दिया और जैसे ही साड़ी का पैसा दुकानदार देने के बाद पीछे मुड़कर देखा तो पत्नी गायब हो गई और प्रार्थी की सोने की जेवरात तथा सेमसंग की टच मोबाइल लेकर भी चली गई। काफी देर तक खोजबीन करने पर भी पता न चलने की दशा में पति दुःखी और निराश होकर अपने घर गोण्डा चला गया। बाद में वह ससुराल जाकर अपने सास ससुर और साले से पता किया तो वे लोग भी उसकी तलाश करने की बात कही तथा पता चला कि फटिहवा गांव के रहने वाले सचिन कुमार पाण्डेय ने उसकी पत्नी को लेकर फरार है जिसके मोबाइल नंबर पर लगातार घंटी जाती है बाद में व्यस्त बताता रहता है। प्रार्थी स्वयं तथा ससुराल पक्ष के लोगों के साथ थाना पयागपुर जाकर अपहरणकर्ता सचिन को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कराने की गुहार लगाई किंतु स्थानीय पुलिस प्रशासन ने अभियुक्त सचिन के जगह गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। एक सप्ताह के बाद भी आज तक फरार पत्नी की बरामदगी न होने और अभियुक्त सचिन की गिरफ्तारी न होने पर पति संजय दर दर की ठोकरें खा रहा है तथा वह पुलिस अधीक्षक उप महानिरीक्षक से लेकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन तक गुहार लगाई है। पति ने तत्काल पत्नी की बरामदगी न होने तथा अपहरणकर्ता सचिन के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने की दशा में राजभवन लखनऊ के समक्ष आत्मदाह करने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री रेशम विकास योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार विकास भवन सभागार बलरामपुर में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री रेशम विकास योजना की समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में उप निदेशक(रेशम), उपायुक्त स्वतः रोजगार, डी0एम0एम0, बी0एम0एम0 तथा सहायक रेशम विकास अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विकासखण्ड–बलरामपुर, गैसड़ी, तुलसीपुर तथा पचपेड़वा के अन्तर्गत प्रत्येक ब्लॉक में एन0आर0एल0एम0 के 10–10 स्वयं सहायता समूहों को उक्त योजना से जोड़कर उनके यहां वृक्षारोपण हेतु निर्धारित स्थल की जियो टैगिंग कराते हुये 15 जुलाई 2025 से शहतूत वृक्षारोपण प्रारंभ कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

बललमपुर नगर पालिका अध्यक्ष ने माहौल खराब करने वालों के मंसूबों पर फेरा पानी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। कर्बला पर जो फैसला नगर पालिका और ताजियादारों के बीच में लिया गया है वह स्वागत योग्य है इस फैसले को कोई पक्ष जीत या हार के रूप में ना ले ताजियादार इस बार पुराने स्थान पर मनाएंगे अगले साल वह अपना नया स्थान खरीद लेंगे या फिर नगर पालिका द्वारा निर्धारित जगह पर मनाएंगे।

तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने बुजुर्ग को कुचला, अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर। बहराइच गोंडा रोड पर थाना पयागपुर अंतर्गत शिवदहा मार्ग के पास तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को रौंद दिया। आनन–फानन में बुजुर्ग को अस्पताल भेजा गया जहां पर इलाज के दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी अनुसार बुजुर्ग राम नारायण थाना पयागपुर क्षेत्र के महरौली सहसरौवा के निवासी थे और जब वह दूध देकर वापस लौट रहे थे तब यह हादसा उनके साथ हुआ। उनके बेटे ओम प्रकाश ने बताया कि शिवदहा मोड़ के पास मेरे पिताजी का एक्सीडेंट हो गया जब वह दूध देकर वापस लौट रहे थे और उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल बहराइच में भर्ती कराया गया लेकिन गंभीर रूप से घायल मेरे पिताजी की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। आज जिलाधिकारी महोदय बहराइच मोनिका रानी एवं पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कारागार में बंदियों हेतु सुविधाओं व व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सम्पूर्ण कारागार परिसर का भ्रमण कर पुरुष बैरक,

महिला बैरक, बंदी पाकशाला, क्रीड़ास्थल और अस्पताल वार्ड का जायजा लिया गया तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और कारागार की साफ–सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया गया। इस दौरान जेल अधीक्षक को निर्देश दिए गए कि वे नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहें शातिर बंदियों पर विशेष नजर बनाये रखें साथ ही समय–समय पर बंदियों की गतिविधियों की जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरों को निरंतर क्रियाशील रखने और जेल मैनुअल के अनुसार सभी व्यवस्थाएं बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया।

दबंग की दबंगई बरकरार, पीड़ित पत्रकार को थाने से नहीं मिला न्याय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। न्याय की उम्मीद लेकर थाने पहुंचा एक पत्रकार उस वक्त स्तब्ध रह गया जब उसे न केवल थाने से भगा दिया गया, बल्कि एसओ द्वारा खुलेआम विपक्षी गुर्गों का पक्ष लेते हुए धमकाने जैसा बयान दे डाला गया। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम ठाकुरपुरवा, दा0 रोहनी भारी थाना विशेश्वरगंज निवासी एक पत्रकार का जमीन संबंधी मामला न्यायालय एसओसी बहराइच में विचाराधीन है। पीड़ित के अनुसार बीते रविवार को इसी विवादित जमीन को लेकर विपक्षी राजेश मिश्र निवासी सुजानडीह, योगेश तिवारी निवासी महेसरा और संतोष पांडेय निवासी पहुंचकर लगभग 25–30 लोगों के साथ लाठी, डंडा, फरसा से लैस होकर ट्रैक्टर लेकर पीड़ित का खेत जबरन जोतने पहुंच गए। जब पत्रकार ने विरोध किया तो उसे गालियां दी गईं और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ने 112 डायल कर पुलिस को बुलाया, मौके पर पहुंची पुलिस ने काम रुकवाया। बाद में जब पीड़ित ने थाने में तहरीर दी तो एसओ विशेश्वरगंज ने कहा, "पीढ़ियां लाओ, तभी मुकदमा लिखूंगा।" दिनांक 26 जून को

जब पीड़ित अपनी बात रखने व न्याय की आस में थाने पहुंचा तो पहले से मौजूद विपक्षियों के सामने एसओ ने साफ कहा, "कागज मैं नहीं मानता, विपक्षी खेत जोतेंगे और मैं खुद जोतवाऊंगा!" इतना कहकर पीड़ित पत्रकार को थाने से भगा दिया गया। पीड़ित ने इस पूरे प्रकरण में निष्पक्ष जांच और जानमाल की सुरक्षा की मांग की है। उसने कहा कि विपक्षी बेहद दबंग किस्म के लोग हैं और अब उसे जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। इस मामले में उच्चाधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है, ताकि पीड़ित को न्याय मिल सके और कानून के नाम पर मजाक न बन सके।

महाराजगंज तराई मामले में पत्रकार संगठन सामने आये

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के थाना गौरा चौराहा स्थित पैगापुर चक्कोडीह निवासी शत्रुघ्न पाण्डेय के साथ दिनांक 22 अप्रैल 2025 के साथ महाराजगंज तराई थाना अंतर्गत कुछ नामजद लोगों द्वारा शत्रुघ्न पाण्डेय से मारपीट के साथ रुपये छीनने की घटना को स्थानीय महाराजगंज तराई की पुलिस द्वारा मामले में लीपापोती कर घटना को इतिश्री कर दी गई घटना के 2 महीने पूरे होने के बाद जब एक पत्रकार के साथ पुलिस इस तरह हथकंडे अपना सकती है तो आम जन के बारे में सहज अंदाजा लगाया जा सकता है युवा पत्रकार प्रेस क्लब बलरामपुर के संयोजक घनश्याम मिश्र ने कहा कि अगर शीघ्र घटना का मुकदमा समुचित धाराओं में दर्ज नहीं हुआ तो हमें अहिंसक आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा वैसे भी पुलिस के मनमाने रवैया के लिए न्यायालय के दरवाजे खुले हैं जहां से सबको न्याय मिलना संभव है।

जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर के पदाधिकारियो की सूची जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला कांग्रेस कमेटी की 49 सदस्यी पदाधिकारियों की बहु प्रतिक्षित सूची कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी द्वारा जारी की गई जिसमें 6 उपाध्यक्षों हारिस बिन खालिद डा0 हामिद खलीउल्लाह उमाशंकर तिवारी राम बहादुर दूबे प्रतीक मिश्रा अमरेंद्र प्रताप व इसी तरह 6 जिला महासचिव में अवधेश पाल सिंह धर्मेंद्र पाण्डेय घनश्याम मिश्र केदारनाथ पाण्डेय संतोष कुमार पाण्डेय देवेंद्र पाण्डेय के साथ इसी तरह 33 जिला सचिव में विशाल कश्यप विनोद मिश्रा पृथ्वी श्रीपति शुक्ला मुजीबुर रहमान हीरालाल पाल प्रियांशु चौहान मोहम्मद युनुस योगेश्वर प्रताप मिश्रा भरत लाल वर्मा नंदलाल वर्मा राजेश कुरील अहमद रहमानी अमिरिका प्रसाद कुरील विशंभर सोनी सजना चौहान सुषमा यादव खातून निशा गुड़िया उमा देवी फातिमा जोहरा हेमा तिवारी बीना सिंह सीमा गौतम जुनेद मंसूरी शंकर सिंह सीमा मोहम्मद जमील रामरूप भारती मंजूर कुरैशी लाल साहब श्रीवास्तव गुरु बचन विजयपाल के साथ ही सोशल मीडिया से दो प्रभारी ज्ञान चंद्र वर्मा व मायाराम चौहान तथा बृजेश चौहान को कंट्रोल प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है इसके साथ ही सभी पार्टी पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई है की वे पार्टी हित में ईमानदारी व निष्ठा से काम करेंगे।

प्रधान ने ग्राम सभा लोहे पनिया में पुलिया निर्माण की मांग की

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के विकासखंड तुलसीपुर के ग्राम पंचायत लोहेपानिया के प्रधान ने ग्राम सभा के मुख्य मार्ग को जोड़ते हुए प्रधान मंत्री सड़क के नजदीक एकपुलिया निर्माण की मांग की, उन्होंने बताया कि पुलिया निर्माण की मांग को लेकर मैंने कई बार विधायक कैलाश नाथ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवीण सिंह से कई मांग पत्र दिए और मौखिक रूप में भी बताया लेकिन अभी तक इस पर कोई सुनवाई नहीं हो सकी केवल झूठा आश्वासन मिलता रहा उन्होंने बताया कि हल्की सी भी बारिश होने पर ही पूरा रास्ता बन्द हो जाता है ग्राम वासी इस पार से उस पार नहीं जा सकते है और इस कारण जल्दी से इसका निर्माण कराया जाए।

मीरा मोहन सी प्रीत लिख देना, सब के अधरों पे गीत लिख देना : प्रद्युम्न त्रिपाठी

कवियों ने एक से बढ़कर एक कविता सुनाकर वाहवाही लूटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में शुक्रवार को काव्य संध्या का आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार कविराज रमाशंकर पांडेय विकल ने किया। मुख्य अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र वरिष्ठ कथाकार रहे। संचालन अशोक तिवारी ने किया। वाणी वंदना दिवाकर द्विवेदी मेघ ने किया और विधिवत् कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रद्युम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने मीरा मोहन की प्रीत लिख देना, सबके अधरों पे गीत लिख देना, दिल में हो वतन कहीं भी नहीं, साथ साजन हो जीत लिख देना सुनाकर वातावरण सृजित कर वाहवाही लूटी। प्रयागराज से पधारे शायर शारिक मखदूम फूलपुरी का अभिनंदन अंगवस्त्र, लेखनी, पुस्तक, प्रशस्ति पत्र देकर किया गया। उनकी गजल, डूबा रहा गमों में किनारा नहीं मिला, मैं चाहता था जो वो सहारा नहीं मिला सुनाकर तालियां बजवाते रहे। ओज की कवियित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने, जयहिंद वंदेमातरम का जो करते सम्मान नहीं। ये भारत माता के दुश्मन उनका हिंदुस्तान नहीं सुनाकर राष्ट्रीयता को मुखर स्वर दिया और लोगों में देशभक्ति की हुंकार भरी। दयानंद दयालु, दिलीप सिंह दीपक, सुधाकर स्वदेश प्रेम ने भी काव्य पाठ किया। वीर रस के कवि प्रभात सिंह चंदेल ने सुपुत पुत भारती के लहू से ललाट पर तिलक लगाते हैं सुनाकर शहीदों को नमन किया सराहे गये। धर्मेश चौहान ने जहाँ टीबी और बीपी शिर्षक से हास्य व्यंग्य सुनाकर तालियां बटोरी वहीं उनकी देश भक्ति की रचना वतन पर होता जो कुरबान वही भगवान् मेरा है काफी सराही गई। अशोक तिवारी ने हाँ हमने तुमसे प्यार किया और क्या किया.. वरिष्ठ शायर अब्दुल हई ने उधर से गुजरा तो झुक कर मिला हिमाला भी, सलीका प्यार का इसको सिखा दिया किसने सुनाकर महफिल लूट लिया। दिवाकर द्विवेदी मेघ ने, बरवा कटा के कट कौवा, बीए पढ़े लागल बा बेटौवा सुनाकर खूब हंसाये। शाइर जुल्फेकार हैदर खान ने गजल सुनाकर तालियां बटोरी मुख्य अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र ने कौमी एकता की रचना हमें रोटियां ही दीजिये बहुत भूख लगी है, दे रहे हैं गीता कुरान किसलिए सुनाकर समरसता की बात किया। नरेन्द्र कुमार पाठक ने वक्तव्य देकर देश की दिशा दशा पर चिंतन दिया। अंत में अध्यक्षता करते हुये सोनांचल साहित्यकार परिषद् प्रमुख कविराज रमाशंकर पांडेय विकल ने लोकभाषा व हिंदी खड़ी बोली की गंभीर कई रचनाओं का वाचन कर सबको आशीर्वाद शुभकामनाएं देते हुए आयोजन को विराम दिया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, त्रिपुरारी मिश्रा, संदीप कुमार शुक्ल, ऋषभ, ठाकुर कुशवाहा समेत कई लोग देर शाम भारी बारिश के बाद भी जमे रहे।

पुलिस नें 02 नफर वारण्टी को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल नेतृत्व में वारण्टी/वांछित अभियुक्त गण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पुलिस द्वारा न्यायालय द्वारा निर्गत वारण्ट के क्रम में 01 नफर वारण्टी सीता राम पुत्र विक्रम चेरो निवासी ग्राम सलखन टोला नरुवा थाना चोपन सोनभद्र उम्र करीब 70 वर्ष व न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड सोनभद्र द्वारा निर्गत वारण्ट के क्रम में वारण्टी अनिल पुत्र बिहारी निवासी जोगवाद थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष को 27.06.2025 को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा गया।

आकाशीय बिजली से भैस की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव में शुक्रवार को दोपहर बाद लगभग 3:00 बजे आकाशीय बिजली गिरने से राधेश्याम की भैस की मौत हो गई। राधेश्याम ने बताया कि वह भैंस को चराकर घर वापस आ रहे थे बीच में ही आकाशीय बिजली की चपेट में भैंस आ गई। इसकी सूचना उन्होंने की लेखपाल एवं पशु चिकित्सा अधिकारी को दी। पशु चिकित्सा अधिकारी आनंद मौर्य ने बताया कि मृतक पशु का अंत्य परीक्षण की कार्यवाही की जा रही है।

मुहर्रम ताजिया जुलूस के विवाद को पुलिस ने सुलझाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। रेणुका पार स्थित कनहरा गांव में पिछले कई वर्षों से मुहर्रम ताजिया जुलूस के रास्ते को लेकर चले आ रहे विवाद को ओबरा पुलिस ने दोनों पक्षों से वार्ताकर मामले को सुलझाने में सफलता प्राप्त की है। घटना की जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मोहर्रम के त्योहार पर ताजिया का जुलूस हिंदू समुदाय के 14 काश्तकारों के खेतों से होकर करीब 1 किलोमीटर जाता था। जिससे फसलों के नुकसान की बात कह कर हिंदू समुदाय द्वारा पिछले कई वर्षों से जुलूस को खेतों से ले जाने पर विरोध किया जा रहा था। पिछले वर्ष काफी समझाने बुझाने पर हिंदू समुदाय के लोगों ने अपने खेतों से जुलूस ले जाने को लिखित समझौता होने पर जाने दिया था। आगामी 6 जुलाई 2025 को मोहर्रम का त्यौहार मनाया जाना है उपरोक्त विवाद को लेकर पूर्व में प्रशासन द्वारा मीटिंग कर विवाद के समाधान का प्रयास भी किया गया था। क्षेत्राधिकारी ओबरा हर्ष पांडे एवं प्रभारी निरीक्षक ओबरा के नेतृत्व में पुलिस चौकी नया टोला में शांति समिति की बैठक में दोनों पक्षों की मौजूदगी में यह तय हो गया कि इस वर्ष से ताजिया का जुलूस ईदगाह के पास स्थित मुस्लिम कमेटी की जमीन तक जाकर वहीं पर ताजिया दफन किया जाएगा इसके संबंध में लिखित समझौता पत्र तैयार करके सब की सहमति से काफी संवेदनशील व पुराने विवाद का समाधान ओबरा पुलिस द्वारा अपनी सूझबूझ से कराने में सफलता मिली है।

फंदे के सहारे लटकता मिला युवक का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

रुधौली। थाना क्षेत्र के पटपरिया गाँव में एक युवक शव घर के कमरे छत की कुंडी से रस्सी के फंदे के सहारे लटकता हुआ शव पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व विधि विज्ञान प्रयोगशाला टीम ने घटना के सम्बंध में जरूरी साक्ष्य एकत्रित

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना क्षेत्र निवासी अजय शर्मा (18) पुत्र राम अवध शर्मा का शव शुक्रवार को घर के कमरे में लगे पंखे के कुण्डी से रस्सी के फंदे के सहारे लटकते हुए ग्रामीणों ने उस समय देखा कि जब मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार दुबे ने हमराहियों के साथ पहुंचकर फाटक तोड़कर युवक द्वारा फांसी पर लटकाने की छानबीन किया है। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंचकर जांच किया है। मृतक अजय द्वारा फांसी लगाने की कारण पता नहीं चल पाया है। मृतक अपने घर में अकेला था। मृतक दो भाइयों में सबसे छोटा भाई था। दो बहन है जो सबकी शादी हो चुकी है। जबकि मृतक तथा बड़ा भाई की शादी नहीं हुई है। बड़ा भाई फागु मुंबई में रहता है। माता पिता की पहले मौत हो चुका है। मृतक तीन माह पहले मुंबई में रहता था। वह घर चला आया था। जिस पर वह घर पर अकेला रहता था। वह मुंबई के रहकर फर्नीचर बनाने का काम करता था। मृतक अपने चाचा के घर खाना खाता था।

डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चंद्रेश कुमार सिंह व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सड़क सुरक्षा समिति की विगत बैठकों में दिए गए निर्देशों की विभिन्न विभागों द्वारा अनुपालन आख्या एवं त कार्यवाही की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने एन0एच0एआई0 मार्ग के किनारों पर झाड़ियों के साफ-सफाई के संबंध में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका खलीलाबाद एवं एन0एच0एआई0 के प्रतिनिधि को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने एआरटीओ एवं यातायात पुलिस अधिकारी को निर्देशित किया कि ट्रैफिक नियमों का बार-बार उल्लंघन करने पर लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि जनपद के शहरी भाग में चिह्नित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा जो लगाए गए हैं उनकी प्रॉपर चेकिंग की जाती रहे। जनपद में ब्लैक स्पॉट बनाए

जाने के संबंध में की गई कार्यवाही की अद्यतन स्थिति के संबंध में जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बताया गया कि जनपद में टैक्सी स्टैंड का स्थान चिह्नित करते हुए आधारभूत सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सड़कों पर गलत साइड एवं नो-पार्किंग में खड़े वाहनों का नियमित तौर पर जांच कर चालान किया जाए तथा चालान किए गए वाहनों की संख्या को भी दर्शाया जाए। उन्होंने एआरटीओ एवं संबंधित पुलिस अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में अभियान चलाकर माल वाहक गाड़ियों के पीछे विशेष तौर पर ट्रैक्टर ट्रॉली के पीछे रिफ्लेक्टर/रेडियम पट्टी लगाया जाए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है कि जनपद के मुख्य चौराहों पर यातायात के समुचित व्यवस्था हेतु ट्रैफिक लाईट की व्यवस्था करायी जाय तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से सम्बंधित संकेतकों को भी स्पष्ट रूप से दर्शाया जाए। जनपद में टैक्सी स्टैण्ड का संचालन सुव्यवस्थित करने एवं शहर में आवश्यकतानुसार और स्ट्रीट लाइट लगाने हेतु नगर पालिका के अधिकारी को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक ब्लैक स्पॉट पर टेबल टॉप रम्बल स्ट्रिप बनाया जाय एवं सीट बेल्ट व हेलमेट का पालन करने हेतु प्रचार-प्रसार किया जाय तथा सीट बेल्ट व हेलमेट का प्रयोग न करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही एवं नियमानुसार चालान भी किया जाय। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त विभाग सड़क सुरक्षा सम्बंधित नियमों का पालन करने के दृष्टिगत आम नागरिकों को प्रचार-प्रसार के विभिन्न माध्यमों से जागरूक करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रामानुज कनौजिया, सीओ यातायात अभय मिश्रा, अधिशासी अभियन्ता पीडब्लूडी आर0के0 पाण्डेय, एआरटीओ प्रियंवदा सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका खलीलाबाद अवधेश भारती सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

क्वांटम ग्रुप के चेयरमैन डा0 राकेश श्रीवास्तव को लंदन में गेस्ट ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती जनपद निवासी डा0 राकेश श्रीवास्तव को बीते दिनों टेरेस हाउस आफ लार्ड्स यूके संसद लंदन में परिवर्तन के स्वपरदर्शी विकसित भारत 2047 में अहम भागीदारी के लिए गेस्ट ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया है। उनके सम्मानित होने से बस्ती जनपद का गौरव और बढ़ गया है। 16 जून 2025 को लार्ड रामी रेंजर एफआरएसए की ओर से परिवर्तन के स्वपरदर्शी विकसित भारत 2047 में विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। उनके सम्मानित होने पर वरिष्ठ समाज सेवक अशोक कुमार सिंह, राहुल श्रीवास्तव राजा भइया, आलोक कुमार श्रीवास्तव, अशोक कुमार श्रीवास्तव, इमरान अली, डाक्टर नवीन, अमित श्रीवास्तव, संतोष पाल, एहतेशाम, गिरजेश मिश्र, भक्ति नारायण श्रीवास्तव, महेश कुमार, विनोद कुमार, अनिल कुमार पाण्डेय सहित समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों ने उन्हें बधाई दिया है।

खलियारी गाँव की गलियों मे जल जमाव से ग्रामीण परेशान

नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायत खलियारी गाँव का हाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायत खलियारी की गलियों मे भारी जल जमाव से ग्रामीण परेशान है। खलियारी गाँव मे प्राथमिक विद्यालय के पास हरिजन बस्ती मे करीब पंद्रह दिन से फिट भर पानी लगा है जहाँ से ग्रामीणों का निकलना मुश्किल हो गया है। दूसरे तरफ पोखरा के पास सामुदायिक शौचालय के पास गली मे फिट भर पानी लगा है वहां से भी निकलना मुश्किल है। खलियारी से पढ़री जाने वाले रास्ते से तो जाना आना संभव नहीं है। ग्रामीणो का कहना है की गांव मे सफाई कर्मी भी नहीं है, इस पर ग्रामीणो ने सफाई कर्मी की न्युक्ति कराने के लिए भी आवाज उठाया है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रदीप कुमार जायसवाल से इस सन्दर्भ मे बात किया गया तो उन्होंने बताया की करीब पांच वर्षो से सफाई कर्मी नहीं है जिसकी जानकारी हम बहुत बार ब्लॉक कार्यालय मे दे चुके हैं लेकिन आज तक किसी सफाई कर्मी की न्युक्ति नहीं हो सका कुछ दिन पहले डी पी आर ओ ने अस्वासन दिया था की सफाई कर्मी की न्युक्ति कर दी जाएगी लेकिन अभी तक न्युक्ति नहीं किया जा सका। ग्रामीण राजन पासवान, संदीप कुमार, रामजी पासवान, नागेंद्र जायसवाल, अनूप कुमार जसवाल, श्याम कुमार जायसवाल, रामधाद भारती, लालमनी भारती, छोटू मौर्या, इन्द्र जीत मौर्या आदि ने उच्चाधिकारियो ध्यान आकृष्ट कराया है और समस्या की निदान की मांग किया है।

रुधौली पुलिस को मिली बड़ी सफलता 24 घंटे के अंदर चोरों को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। रुधौली थाना अंतर्गत श्याम मनोहर जायसवाल पुत्र ज्ञान दास जायसवाल निवासी ग्राम मड़वार थाना रुधौली जनपद बस्ती के द्वारा एक लिखित तहरीर दिया गया कि उनके गल्ले कि दुकान कुदही चौराहे से सुबह करीब 3:00 बजे दो अज्ञात व्यक्ति द्वारा

दुकान के सामने खड़ी गेहू लदी ट्रैक्टर ट्राली से पांच बोरी गेहू टैंपो में लादकर चोरी कर ले गए। जिस पर थाना स्थानीय पर थाना पंजी.त किया गया। जांच पड़ताल में लगे सीसीटीवी कैमरे के मदद से गौरव यादव पुत्र कैलाश यादव उम्र 24 वर्ष साकिन मन्झरिया महान थाना बेलहर कला जनपद सन्तकबीरनगर 02. लवकुश निषाद पुत्र नरेन्द्र निषाद उम्र 20 वर्ष साकिन पड़रिया थाना बेलहर कला जनपद सन्तकबीरनगर को चोरी किए गए 05 बोरा गेहू व प्रयुक्त वाहन टैंपो के साथ गंधारिया मोड़ डुमरियागंज रुधौली मुख्य मार्ग से समय करीब 00. 50 बजे गिरफ्तार कर अन्य आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय बस्ती रवाना किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः- उपेंद्र शर्मा, -अनिल कुमार, -गोकर्ण पाण्डेय थाना रुधौली जनपद बस्ती। हे0का0 संतोष यादव, का0 ऋतिक कुमार का0 अंकित राय थाना रुधौली जनपद बस्ती।

डीएम की अध्यक्षता में जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2026 को लेकर बैठक का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता

में सत्र 2026-27 में कक्षा 06 में प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 की बैठक जिलाधिकारी कार्यालय में संपन्न हुई। जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रभारी आचार्य श्रीकांत तिवारी द्वारा विद्यालय की उपलब्धियों की ओर ध्यान आकृष्ट करवाते हुए बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों का औपचारिक स्वागत किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक सहित जिले के समस्त शिक्षा अधिकारियों के समक्ष शैक्षिक सत्र 2026-27 में कक्षा में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के संदर्भ में जवाहर नवोदय विद्यालय के शिक्षक विनय कुमार मिश्र द्वारा बिंदुवार विस्तृत प्रकाश डाला गया। जिलाधिकारी ने सभी शिक्षाधिकारियों को कि पूर्व वर्ष से 10 प्रतिशत अधिक (6000 आवेदन) ऑनलाइन आवेदन कराने का निर्देश दिया। विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक के मद्देनजर विभिन्न बिंदुओं पर पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी द्वारा विद्यार्थियों के लिए सोलर गीजर एवं मेगा आरो लगवाने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ, प्रधानाचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय एस0के0 तिवारी सहित संबंधित आदि उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने परेड की ली सलामी, किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। निरीक्षण के क्रम में उनके द्वारा यूपी0-112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण/सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा आरटीसी मेस, पुलिस बैरक, शौचालय, कम्प्यूटर कक्ष, आरटीसी स्कूल इत्यादि का जायजा लिया गया और सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बंधित को दिशा-निर्देश दिए।

पिंकअप और ट्रक के टक्कर में दो लोग घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के नधिरा मोड़ पर पिंक अप और

ट्रक के आमने सामने टक्कर में दो लोग घायल हो गए। घायलों को ग्रामीणों और पी आर बी की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर भर्ती कराया गया है। म्योरपुर थाना क्षेत्र के नधिरा मोड़ पर रेणुकूट-बीजपुर मार्ग पर शुक्रवार को दोपहर तीन बजे करीब छत्तीसगढ़ की तरफ से जा रही ट्रक अनियंत्रित होकर रेणुकूट की तरफ आ रही पिंक अप से टकरा गई। जिसमें दो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों को ग्रामीणों और पी आरबी पुलिस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर भर्ती कराया गया जहां उपचार किया जा रहा है। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना के समय म्योरपुर वन रक्षक गोस्वामी अंकुर गिरी की मोटरसाइकिल पटरी पर थी वह भी क्षतिग्रस्त हो गयी। घायलों में पिंक में अहमद अली 50 वर्ष निवासी मिर्जापुर व 29 वर्षीय नूर मोहम्मद पुत्र राजा अली सवार थे। पिंक अप में अण्डा लदा था। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई।

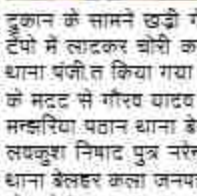

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

खाने के अलावा कई कामों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है हल्दी, जानिए तरीके

हल्दी एक ऐसा मसाला है, जो लगभग हर रसोई में मौजूद होता है। आमतौर पर हल्दी का उपयोग खाने में किया जाता है, लेकिन इसके कई अन्य अनोखे और उपयोगी फायदे भी हैं। इस लेख में हम आपको हल्दी के कुछ ऐसे बेहतरीन उपयोगों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में शायद ही आपने कभी सुना होगा। इन तरीकों से आप हल्दी का इस्तेमाल रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकते हैं। फर्श की सफाई के लिए करें इस्तेमाल: हल्दी में ऐसे गुण होते हैं, जो फर्श की सफाई के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। अगर आप अपने घर के फर्श को कीटाणुमुक्त करना चाहते हैं तो एक बाल्टी पानी में हल्दी पाउडर मिलाकर उससे पोंछा लगाएं। इससे न केवल फर्श साफ होगा, बल्कि उसमें एक अच्छी खुशबू भी आएगी। यह तरीका खासतौर पर उन घरों के लिए फायदेमंद है जहां छोटे बच्चे या पालतू जानवर होते हैं।

कपड़ों की रंगत बनाए रखने में है कारगर

एक चुटकी हल्दी का इस्तेमाल कपड़ों की रंगत बनाए रखने के लिए भी किया जा सकता है। अगर आप अपने कपड़ों पर हल्दी का पानी लगाकर धूप में सुखाते हैं तो इससे कपड़ों की रंगत बरकरार रहती है और वे फीके नहीं होते। इसके अलावा हल्दी कपड़ों को कीटाणुओं से भी बचाती है और उनमें एक अच्छी खुशबू छोड़ती है। यह तरीका हल्के रंग के कपड़ों के लिए बहुत प्रभावी है।

घाव और जलने पर लगाएं

हल्दी में ऐसे गुण होते हैं, जो घावों और जलने पर बहुत फायदेमंद होते हैं। अगर आपके हाथ या पैर जल जाएं या कोई छोटा-मोटा घाव हो जाए तो उस पर हल्दी का पेस्ट लगाएं। इससे जलन कम होती है और घाव जल्दी भरता है। इसके अलावा हल्दी त्वचा को संक्रमण से भी बचाती है और ठंडक पहुंचाती है। यह तरीका खासतौर पर गर्मियों में बहुत प्रभावी है।

दांतों की सफाई के लिए करें इस्तेमाल

हल्दी का इस्तेमाल दांतों की सफाई के लिए भी किया जा सकता है। इसमें मौजूद विशेष तत्व दांतों की गंदगी हटाने में मदद करते हैं और उन्हें चमकदार बनाते हैं। ब्रश करते समय अपने टूथपेस्ट में थोड़ा-सा हल्दी पाउडर मिलाएं और फिर ब्रश करें। इससे आपके दांत साफ और स्वस्थ रहेंगे। इसके अलावा हल्दी मुंह की दुर्गंध दूर करने में भी सहायक है और ताजगी महसूस होती है।

त्वचा की देखभाल करें

हल्दी त्वचा की देखभाल करने में भी मददगार साबित हो सकती है। इसमें मौजूद तत्व त्वचा को निखारते हैं और उसे स्वस्थ रखते हैं। एक चम्मच बेसन में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर फेस पैक तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरे को धो लें। इससे आपकी त्वचा ताजगी भरी महसूस होगी और उसमें चमक आएगी। इन तरीकों से आप हल्दी का इस्तेमाल अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकते हैं।

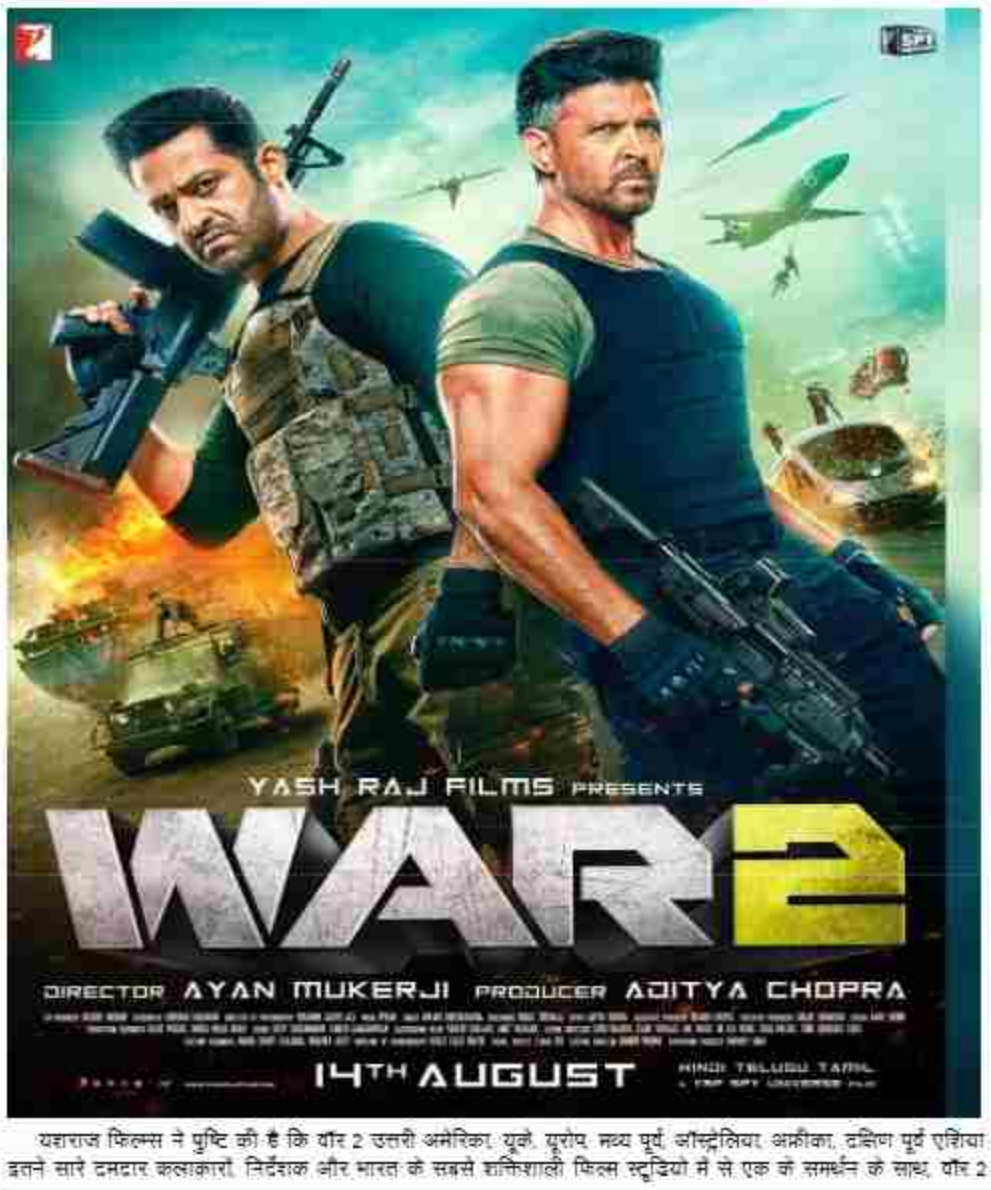

वॉर 2 के नए पोस्टर रिलीज, एक्शन मोड में ऋतिक, जूनियर एनटीआर और कियारा, न्यू पोस्टर के साथ फिल्म का काउंटडाउन शुरू

वॉर 2 की रिलीज की उल्टी गिनती आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है. साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2, 14 अगस्त, 2025 को वैश्विक रिलीज के लिए तैयार है, जो भारत के स्वतंत्रता दिवस के वीकेंड आ रही है. रिलीज से पहले, मेकर्स ने ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर का नया पोस्टर पेश किया है. वॉर 2 के मेकर्स वाईआरएफ ने सोशल मीडिया पर फिल्म के मुख्य कलाकारों के पोस्टर जारी किए हैं, जिनमें ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी शामिल हैं. तीनों ने नए पोस्टर से शुरुआत से ही ध्यान आकर्षित करते हुए अपने फैंस को बताया है कि फिल्म की 50 दिन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है.

ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम पर वॉर 2 से अपना नया पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, इस बार वह क्रूर, निर्दयी, निष्ठुर और वॉर के लिए तैयार है. क्या आप तैयार हैं? अब उल्टी गिनती शुरू हो गई है. वॉर 2 के लिए 50 दिन बाकी. 14 अगस्त को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु और तमिल में रिलीज हो रही है. पोस्टर में ऋतिक के चेहरे का क्लोज-अप दिखाया गया है, जिसमें वे एक हथियार जैसी वस्तु पकड़े हुए कैमरे की ओर ध्यान से देखते हुए दिखाई दे रहे हैं.

इसी तरह जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर अपना पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, शर्त लगा लो कि तुमने ऐसा वॉर कभी नहीं देखा होगा. चलिए गिनती करते हैं 50 दिन और वॉर 2 जो 14 अगस्त को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु और तमिल में रिलीज हो रही है. वॉर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले जूनियर एनटीआर एक-एक हाथ में दो बंदूकें चलाते हुए नजर आ रहे हैं.

कियारा आडवाणी, जो वॉर 2 के टीजर में बिकिनी में दिखाई दी थीं, अपने नए लुक में बंदूक थामे नजर आई हैं. कियारा के नए पोस्टर से यह साफ होता है कि वह अपनी आगामी रिलीज में पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आएंगी. उनका पोस्टर वॉर 2 के टीजर से उनके वायरल बिकिनी लुक के कुछ हफ्ते बाद आया है.

जूनियर एनटीआर के जन्मदिन यानी 20 मई को मेकर्स ने वॉर 2 का टीजर किया था, जिसमें जूनियर एनटीआर का किरदार ऋतिक के किरदार कबीर, जो रॉ का बेस्ट एजेंट होता है, को खुली चुनौती देता है. टीजर में कियारा को बिकनी लुक में दिखाया गया था. उनका ये लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था. टीजर में तीनों कलाकारों ने फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहे थे.

वॉर 2 2019 में अपनी पहली किस्त वॉर के छह साल बाद आई है. इस एक्शन थ्रिलर फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है. फिल्म में ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर अहम भूमिका में हैं. जूनियर एनटीआर वॉर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं.

यशराज फिल्म्स ने पुष्टि की है कि वॉर 2 उत्तरी अमेरिका, यूके, यूरोप, मध्य पूर्व, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और निश्चित रूप से भारत के आईमैक्स के थिएटर्स में रिलीज होगी. इतने सारे दमदार कलाकारों, निर्देशक और भारत के सबसे शक्तिशाली फिल्म स्टूडियो में से एक के समर्थन के साथ, वॉर 2 14 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस वीकेंड पर रिलीज होगी.

अवनीत कौर ने ऑरेंज ड्रेस में गिराई बिजली, लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर मचाई सनसनी

एक्ट्रेस अवनीत कौर एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर कहर ढा रही हैं. उन्होंने हाल ही में ऑरेंज हॉल्टर नेक बॉडीकॉन ड्रेस में अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जो कुछ ही घंटों में वायरल हो चुकी हैं. इस ड्रेस में अवनीत न केवल बेहद ग्लैमरस लग रही हैं, बल्कि उनका कॉन्फिडेंट अंदाज भी फैंस को दीवाना बना रहा है. पोस्ट के कैप्शन में अवनीत

ने लिखा, मुझे मेरे दिमाग से बाहर निकालो ??? और उनके इस हॉट अवतार पर सेलेब्स भी फिदा हो गए. टन्या चौधरी ने लिखा होश उड़ जाना! ?? इसे प्यार करना ?? वहीं कई फैंस ने उन्हें गॉर्जियस और फैशन क्वीन कहा.

इस लुक को और खास बना रही है उनकी डीप नेक ड्रेस का फिनिशिंग कट और सटल मेकअप के साथ रेड लिपस्टिक. अवनीत का ये अंदाज उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है. अवनीत कौर न सिर्फ अपने अभिनय के लिए बल्कि अपने स्टाइल और ड्रेसिंग सेंस के लिए भी जानी जाती हैं. उनका यह लुक एक बार फिर साबित करता है कि वो यंग जनरेशन की स्टाइल आइकन हैं. हर नए फोटोशूट के साथ वह फैशन बार को और ऊपर उठा रही हैं. उनकी इस पोस्ट पर अब तक लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स आ चुके हैं. अवनीत की ये बोल्ड तस्वीरें यह साबित करती हैं कि वो आने वाले समय में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं.

कार्यालय : नगर पंचायत, कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर

अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निदेशक महोदय के पत्रांक संख्या- 8/001/139(2)/02 प्रति०अति०स्टा० शु०/2024-25 लखनऊ, दिनांक 02 अप्रैल 2025 द्वारा 02 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क के अन्तर्गत प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति की धनराशि से नगर पंचायत कपिलवस्तु जनपद सिद्धार्थनगर में पशु चिकित्सालय निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ई-निविदा प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है। निर्माण कार्य से संबंधित निविदा दिनांक 28.06.2025 से दिनांक 12.07.2025 तक आनलाईन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर अपराह्न 11:00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती हैं। ई-निविदा व अन्य के संबंध में निविदादाता कार्यालय समय में किसी भी कार्यदिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उक्त निविदा दिनांक 12.07.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे के बाद खोली जायेगी, जिसे संबंधित वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर देखा जा सकता हैं। जिसका विवरण निम्नवत है-

A	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	28.06.2025 अपरान्ह 04:00 बजे
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि/समय	28.06.2025 अपरान्ह 04:00 बजे से
C	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा/बिड अपलोड की तिथि/समय	28.06.2025 सायं 05:00 बजे से
D	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा/बिड अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	12.07.2025 पूर्वान्ह 11:00 बजे तक
E	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि/समय	12.07.2025 पूर्वान्ह 11:00 बजे के बाद

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत- कपिलवस्तु
जनपद- सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत- कपिलवस्तु
जनपद- सिद्धार्थनगर

पत्रांक- 159(I)/न.पं.कपि.सि.नगर/2024-25 । दिनांक 27/06/2025

सितारे जमीन पर की बॉक्स ऑफिस पर पकड़ बरकरार, पार किया 80 करोड़ रुपये का आंकड़ा

इन दिनों आमिर खान फिल्म सितारे जमीन पर की सफलता का जश्न मना रहे हैं। 20 जून को रिलीज हुई उनकी यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 8 दिन पूरे हो गए हैं और इसका खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। सितारे जमीन पर ने 80 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। आइए जाने फिल्म ने छठे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

सैकनिल्क के मुताबिक, सितारे जमीन पर ने अपनी रिलीज के छठे दिन 7.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 82.40 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म ने 10.7 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 20.2 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 27.25 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। चौथे दिन इस फिल्म ने 8.50 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 8.5 करोड़ रुपये कमाए। आरएस प्रसन्ना ने सितारे जमीन पर के निर्देशन की कमान संभाली है, वहीं आमिर ने खुद इस फिल्म का निर्माण अपनी पूर्व पत्नी किरण राव के साथ मिलकर किया है। फिल्म में आमिर की जोड़ी पहली बार जेनेलिया डिसूजा के साथ बनी है। जेनेलिया ने फिल्म में आमिर की पत्नी सुनीता का किरदार निभाया है। फिल्म में आमिर ने एक बदनाम बास्केटबॉल कोच गुलशन की भूमिका निभाई है। सितारे जमीन पर की कहानी डाउन सिंड्रोम पर आधारित है।